Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 183
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,01 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

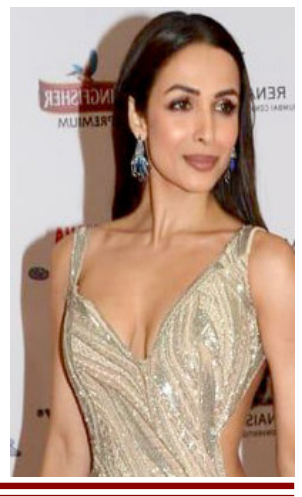

2 सिद्धार्थनगर महोत्सव में आशा सम्मेलन का हुआ

5 ब्लड शुगर घटना या बढ़ना दोनों खतरनाक, ऐसे

7 मलाइका अरोड़ा ने अलग अंदाज में दी बहन

योगी विजन: उत्तर प्रदेश बनेगा देश का अग्रणी फार्मा हब

फार्मा कॉन्क्लेव 1.0: इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन उत्तर प्रदेश तीन फरवरी को

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार उत्तर प्रदेश को देश का फार्मास्यूटिकल व मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। योगी सरकार 3 फरवरी को राजधानी लखनऊ स्थित होटल ताज में फार्मा कॉन्क्लेव 1.0रू इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन उत्तर प्रदेश का आयोजन करने जा रही है। इस कॉन्क्लेव को उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और इन्वेस्ट यूपी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कॉन्क्लेव को केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं रसायन-उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा वीडियो के माध्यम से संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी व राकेश सचान, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व जसवंत सिंह सैनी तथा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दया शंकर मिश्र दयालु विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।एफएसडीए सचिव एवं आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य तय किया है। ऐसे में फार्मा व मेडिकल डिवाइस सेक्टर को इस लक्ष्य की रीढ़ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए योगी सरकार बुनियादी ढांचे, नीतिगत सुधारों और निवेशकों के अनुकूल वातावरण पर लगातार काम कर रही है। फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में देश और दुनिया की अग्रणी फार्मा कंपनियां हिस्सा लेंगी।इनमें रामकी ग्रुप के चेयरमैन एवं राज्यसभा सदस्य अयोध्या रामी रेड्डी, सन फार्मा के चेयरमैन दिलीप सांघवी, मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा, डॉ. रेड्डीज के चेयरमैन डॉ. सतीश रेड्डी, जाइडस लाइफ साइंसेज के चेयरमैन पंकज आर. पटेल और टोरेंट फार्मा के वाइस चेयरमैन जीनल मेहता शामिल हैं। इनके अलावा कॉन्क्लेव के सत्रों में एमएसएन लेबोरेटरीज के एमएसएन रेड्डी, डाबर के निदेशक आदित्य वर्मन, एलकेम के निदेशक संदीप सिंह की उपस्थिति होगी।एफएसडीए आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को फार्मा हब के रूप में विकसित करने के लिए यूपी फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस उद्योग नीति 2023 लागू की गई है।इसके तहत निवेशकों को 15 प्रतिशत तक की पूंजीगत सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी में 100 प्रतिशत छूट और बिजली शुल्क में पूर्ण छूट जैसे आकर्षक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। इसके अलावा यूपी एफडीआई,एफसीआई एवं फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 निवेश प्रोत्साहन नीति 2023, औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स नीति 2024 जैसी योजनाएं निवेश को और सरल बना रही हैं। इन नीतियों का ही असर है कि प्रदेश के ललितपुर में प्रस्तावित बल्क ड्रग पार्क और ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क तेजी से आकार ले रहे हैं। साथ ही प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज, 450 से ज्यादा फार्मा कॉलेज और नाइपर रायबरेली, के जीएमयू, एसजीपी जीआई, आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान कुशल मानव संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं।यूपी ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में बड़ी छलांग लगाई है। निवेश मित्र जैसे सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए आवेदन से लेकर परियोजना संचालन तक की प्रक्रिया आसान की गई है। एफएसडीए की भूमिका भी निवेशकों को समयबद्ध मंजूरी और नियामकीय सहयोग देने में अहम है। प्रदेश के पास रेडी-टू-मूव औद्योगिक भूमि का बड़ा बैं उपलब्ध है।

पीएम मोदी उत्तराखंड का रखते हैं हमेशा ध्यान, इस बार भी उम्मीद:धामी

देहरादून (एजेंसी)। केंद्रीय बजट को लेकर हर वर्ग की उम्मीदें हैं। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड की जरूरतों को भली भांति समझते हैं। बजट को लेकर हमारी कई उम्मीद है। और इस बार भी हमें उम्मीद से बढ़कर मिलेगा। केंद्रीय बजट 2026 को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र की कोई भी योजना होती है तो उसमें हमारे राज्य को शामिल किया जाता है। प्रधानमंत्री का उत्तराखंड से बेहद लगाव है, इसलिए वह यहां का विशेष ध्यान रखते हैं। बजट से हमें हमेशा उम्मीद से बढ़कर मिलता है और इस बार भी हमें उम्मीद से बढ़कर मिलेगा। वहीं केंद्र सरकार के बजट से उत्तराखंड के किसानों को बड़ी उम्मीद है। किसानों का कहना है, सरकार तय मूल्य पर उनकी शत प्रतिशत फसलों की खरीद की गारंटी दे। वहीं, नकदी फसलों के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही जंगली जानवरों से फसलों को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। किसानों का कहना है कि वे परंपरागत के साथ ही नकदी फसलें उगाते हैं, लेकिन न्यूनतम मूल्य पर उनकी शत प्रतिशत फसलों की खरीद की कोई गारंटी नहीं हैं। केंद्र सरकार से किसानों को उम्मीद यही वजह है कि किसानों को कई बार औने-पौने दाम पर अपनी फसल बेचनी पड़ती है, इससे उनकी लागत तक नहीं निकल पाती। नैनीताल जिले के मल्ला निगलाठ गांव निवासी नीरज मेहरा बताते हैं कि पर्वतीय जिलों में जंगली जानवर फसलों को बहुत नुकसान पहुंचा रहे हैं।

प्रधानमंत्री रविवार को हलवारा हवाई अड्डे के सिविल टर्मिनल का करेंगे उद्घाटन

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को पंजाब में हलवारा हवाई अड्डे के सिविल टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे और आदमपुर हवाई अड्डे का नाम संत रविदास के नाम पर रखेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया, संत गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती के शुभ अवसर पर आदमपुर हवाई अड्डे का नामकरण इस पूजनीय संत और समाज सुधारक को श्रद्धांजलि है, जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती रहती हैं। मोदी रविवार को आदमपुर हवाई अड्डे जाएंगे, जहां वह इसके नए नाम श्री गुरु रविदास जी हवाई अड्डा का अनावरण करेंगे। पंजाब में विमानन अवसंरचना को और आगे बढ़ाते हुए हलवारा हवाई अड्डे का नया टर्मिनल भवन राज्य के लिए एक नया प्रवेश द्वार स्थापित करेगा, जो लुधियाना और उसके आसपास के औद्योगिक एवं कृषि क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। लुधियाना जिले में स्थित हलवारा में भारतीय वायुसेना का एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्टेशन भी है। लुधियाना में पहले हवाई अड्डे का रनवे अपेक्षाकृत छोटा था, जो छोटे आकार के विमानों के लिए उपयुक्त था।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस, वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.7 डिग्री कम है। आईएमडी ने यह जानकारी दी। विभिन्न मौसम केंद्रों के आंकड़ों के अनुसार पालम में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड में 7.1 डिग्री सेल्सियस, रिज केंद्र पर 7.7 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में रात का तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 278 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

सुनेत्रा पवार ने संभाली डिप्टी सीएम पद की कमान

बनी पहली महिला उपमुख्यमंत्री

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दिवंगत नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को शनिवार को पार्टी विधायक दल का नेता चुन लिया गया। उन्हें आज शाम महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। अजित पवार के निधन के बाद आज यानि 31 जनवरी को महाराष्ट्र को अपना नया उपमुख्यमंत्री मिल गया है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम के तौर पर शपथ ली है और इसी के साथ सुनेत्रा महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री भी बन गई हैं। राकांपा के विधान मंडल दल के सदस्यों की यहां विधान भवन में हुयी बैठक में सुनेत्रा पवार को नेता चुना गया। सुनेत्रा पवार इस समय राज्यसभा की सांसद हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार श्री पवार को आज शाम पांच बजे राजभवन में उपमुख्मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। अजित पवार महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार के उपमुख्यमंत्री थे। पार्टी में उनके निधन के बाद सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाने पर सर्वसम्मति थी। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने कल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। समझा जाता है कि इस मुलाकात में उन्हें पार्टी के विचारों से अवगत कराया गया था।

बंगाल में एसआईआर से घुसपैठिए बाहर होंगे, जो रह जाएंगे उनको भाजपा का सीएम निकाल देगा:शाह

कोलकाता (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में कहा कि, ममता सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। बंगाल के लोग टीएमसी को उखाड़ फेकेंगे। इनकी विदाई का समय आ गया है। ममता जी को एसआईआर का जितना विरोध करना हैं कर लें। मतदाता सूची से घुसपैठियों को निकालना ही पड़ेगा। जो बचे घुसपैठिये रह जाएंगे वो भाजपा का सीएम आकर निकाल देगा। साल 2026 टीएमसी को टाटा, बाय-बाय कहने का साल है। टीएमसी तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गई है। जब मैं पहले आया था, तो मैंने कहा था कि पश्चिम बंगाल में भारी बहुमत से बीजेपी की सरकार बनेगी। उस समय ममता बनर्जी मेरा मजाक उड़ा रही थीं। लेकिन जब भगवान राम ने राम सेतु

बनाया था, तो रावण ने भी इसी तरह उनका मजाक उड़ाया था। 2024 में तीन दशक के बाद पहली बार मोदी लगातार तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं। 24 में ही हमने आंध्र प्रदेश में सरकार बनाई। हमने ओडिशा में सरकार बनाई। अरुणाचल में तीसरी बार सरकार बनाई। 2025 में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में 30 साल के बाद सरकार बनाई और 25 का अंत आते-आते बिहार में भी प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा और एनडीए की सरकार बनी। जितने भी लोग आजादी के संघर्ष में शहीद हुए, जिन्हें फांसी के फंदे पर लटकाया गया उनका आखिरी शब्द भी वंदे मातरम्-ही था। मोदी सरकार ने वंदे मातरम्-के 150 साल पूरे देश में मनाने का निर्णय लिया है। आनंदपुर गोदाम में लगी आग चिल्ला-चिल्लाकर कह रही है कि इसमें ममता बनर्जी के लोग शामिल हैं। अगर ममता बनर्जी इसे छिपाना चाहती हैं, लेकिन अप्रैल के बाद, जब बीजेपी सरकार आएगी, तो हम इस आग के दोषियों को चुन-चुनकर जेल भेजेंगे। दरअसल 26 जनवरी को आनंदपुर में एक फैक्ट्री में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी।

केरल चुनाव में पूरी ताकत से करूंगा प्रचार:शशि थरूर

'मेरी एक ही पार्टी है कांग्रेस'

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल विधानसभा चुनाव को लेकर एक बार फिर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि वह केवल कांग्रेस और UDF की जीत चाहते हैं और इसके लिए प्रचार भी करेंगे। अपनी पार्टी से नाराजगी व मतभेद की खबरों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर साफ-साफ कह दिया कि वे पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी केरल विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपनी पार्टी कांग्रेस और यूडीएफ की जीत चाहते हैं और खुद भी इसके लिए प्रचार

करेंगे। जीत के लिए करूंगा प्रचार तिरुवनंतपुरम में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र इच्छा केरल में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी और UDF गठबंधन की जीत देखना है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी और गठबंधन की जीत के लिए प्रचार करेंगे। मेरी केवल एक ही पार्टी है - कांग्रेस थरूर ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी केवल एक ही पार्टी है, और वह है कांग्रेस। यह सवाल बार-बार न पूछा जाए। इससे पहले शुक्रवार को भी उन्होंने साफ किया था कि वह कांग्रेस में ही रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं। गुरुवार को शशि थरूर ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य उनके उन गिले-शिकवों को दूर करना था, जो पिछले कुछ समय से केरल कांग्रेस के भीतर उन्हें दरकिनार किए जाने की खबरों के बाद उपजे थे। कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ हुए व्यवहार से थरूर आहत थे, लेकिन आलाकमान से बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि सब कुछ ठीक है और हम सभी एक साथ हैं।

कफ सिरप केस में बड़ी कार्रवाई, आरोपी भोला जायसवाल की 5 करोड़ 77 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क

वाराणसी/सोनभद्र (एजेंसी)। सोनभद्र जिले की पुलिस ने अवैध नशीले कफ सिरप मामले में शनिवार को वाराणसी में भोला जायसवाल और उसके परिजनों की कुल पांच करोड़ 77 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क की। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक वर्मा ने बताया कि राबर्ट्सगंज पुलिस थाने में पंजीकृत अभियोग के तहत अभियुक्त भोला प्रसाद जायसवाल के वाराणसी के मडौली, भरलाई और जगदीशपुर क्षेत्रों में 4.55 करोड़ रुपये की कुल सात अचल

संपत्तियां और 51.16 लाख रुपये मूल्य के चार वाहन कुर्क किये गए हैं। इसके अलावा बैंक खातों में जमा 70,99,228 रुपये को भी कुर्क किया गया है। कुर्क की गई चल-अचल संपत्तियों की कुल कीमत 5,77,17, 990 रुपये बताई गई है। वर्मा ने बताया कि ये सभी संपत्तियां अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से खरीदी गयी थीं। उन्होंने बताया कि वाराणसी के आदमपुर थाना क्षेत्र का निवासी भोला जायसवाल कफ सिरप तस्करी के मुख्य साजिशकर्ता शुभम जायसवाल का पिता है। एसपी ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी और उससे अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधों पर आगे भी कठोर कार्यवाही की जायेगी।

गाजियाबाद में विवाद में दो युवकों की चाकू गोदकर हत्या

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद जिले में एक भोजनालय में मामूली विवाद के कारण दो युवकों की कथित तौर पर चाकू से हमलाकर हत्या कर दी गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार देर रात उस समय की है जब दोनों गुट नशे की हालत में थे और खाना परोसने में देरी को लेकर उनके बीच तीखी बहस हो गई। उसने बताया कि देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। होटल में मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को घायल अवस्था में पाया। पुलिस ने बताया कि तीनों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया।

संजय राउत का भाजपा पर सनसनीखेज आरोप, अजित पवार के निधन में भी अवसर तलाश रही है बीजेपी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन में भी राजनीतिक अवसर तलाश रही है। राज्यसभा सदस्य राउत ने पत्रकारों से बातचीत में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के सवाल पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि इस संबंध

में किसी के पास कोई जानकारी नहीं है। अजित पवार की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में हुए विमान हादसे में मौत हो गई थी। राउत ने कहा, भाजपा का शोक की इस घड़ी से कोई लेना-देना नहीं है। वह मौत में भी अवसर तलाश रही है। यह इस मुद्दे पर बात करने का समय नहीं है। बाद में, मैं इस पर बात करूंगा। राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के संबंध में कोई जानकारी नहीं है, राउत ने कहा कि इसकी जानकारी केवल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व या राकांपा नेताओं प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को ही हो सकती है।

कांग्रेस ने बजट से पहले केंद्र पर साधा निशान, कहा ,सरकार के नीति निर्धारण में समन्वय की कमी

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर नीति निर्धारण में समन्वय की कमी का आरोप लगाते हुए शनिवार को सवाल किया कि क्या बजट के आंकड़ें पेश किए जाने के तुरंत बाद उनमें संशोधन किया जाएगा क्योंकि बजट के कुछ ही दिन बाद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नयी श्रृंखला जारी की जानी है। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 का बजट कल यानी रविवार को पेश किया जाएगा। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, राज्य सरकारें आशंकाग्रस्त

होकर प्रतीक्षा कर रही होंगी कि उनके लिए इसमें क्या है क्योंकि वित्त मंत्री 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग एक ऐसा निकाय है जिसकी स्थापना संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत हर पांच वर्षों में (या उससे पहले) की जाती है ताकि वह केंद्र द्वारा एकत्र किए गए कर राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी, इस हिस्सेदारी का राज्यों के बीच वितरण और पांच वर्षों की अवधि के लिए विशेष अनुदानों की सिफारिश कर सके। उन्होंने कहा कि 16वां वित्त आयोग 2026-27 से 2030-31 तक की अवधि से संबंधित है। रमेश ने कहा, लेकिन इसके अलावा दो और चिंताएं भी हैं। पहली-बजट के कई आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में प्रस्तुत किए जाएंगे। हालांकि ठीक 26 दिन बाद 27 फरवरी 2026 को 2022-23 को आधार वर्ष मानकर नयी और अद्यतन जीडीपी श्रृंखला जारी होने वाली है। उन्होंने सवाल किया कि क्या एक फरवरी 2026 को बजट के आंकड़ें पेश किए जाने के तुरंत बाद उनमें संशोधन किया जाएगा? रमेश ने कहा कि दूसरी चिंता यह है कि 2024 को आधार मानकर नयी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला 12 फरवरी 2026 को जारी होने की संभावना है।

पुलिस ने जन चौपाल लगाकर बहू बेटी सम्मेलन व साइबर जागरूकता अभियान चलाया

सिद्धार्थनगरः जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान₹ के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक कुशल पर्यवेक्षण व

विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक हरें कृष्ण उपाध्याय उसका बाजार के नेतृत्व में व साइबर थाना प्रभारी के नेतृत्व में थाना उसका बाजार मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम महुलानी में जन चौपाल लगाकर मिशन शक्ति एवं एण्टीरोमियों किया गया व यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई व उनकी समस्याओं को सुना गया, उचित परामर्श के साथ काउन्सलिंग किया गया । बहू-बेटी सम्मेलन लगाकर जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज-5.0 के विषय में महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई व नई धाराओं के प्रति जागरूक किया गया।

जनता की समस्याओं के निदान के लिए पुलिस विभाग को मिले कई वाहन

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर/लाइन द्वारा मुख्यालय यूपी-112

लखनऊ से फेज-02 के अंतर्गत सिद्धार्थनगर जनपद की पुलिस को प्राप्त कुल 14 पीआरबी वाहनों (08 चार पहिया स्कॉर्पियो वाहन एवं 06 दो पहिया पल्सर मोटरसाइकिल) को जनपद के थाना क्षेत्रों में संवेदनशीलता के आधार विभिन्न थानाक्षेत्रों में हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया । उक्त व्यवस्था से जनपद में आपातकालीन स्थितियों में पुलिस सहायता और अधिक सशक्त, त्वरित एवं प्रभावी होगी, जिससे आमजन को बेहतर सुरक्षा प्रदान की जा सकेगी । इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन बीएन गुप्ता, ब्रह्मदेव यादव प्रभारी परिवहन शाखा, उप निरीक्षक रामनिवास मिश्र, उप निरीक्षक राजनारायण सिंह, उप निरीक्षक राजेन्द्र यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर महोत्सव में आशा सम्मेलन का हुआ आयोजन, आशाओं के कार्यो की हुई सराहना

सिद्धार्थनगर : जिले में आयोजित सिद्धार्थनगर महोत्सव के चौथे दिन आशा सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आशा सम्मेलन कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी श शिवशरणप्पा जीएन, सीडीओ बलराम सिंह, सीएमओ डॉ0 रजत कुमार चौरसिया एवं सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर तथा मॉ सरस्वती एवं महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। आशा सम्मेलन कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने आशा एवं आशा संगिनी को सम्बोधित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का ढांचा जब बना था तब ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक नहीं थी। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि हम लोगों को 02 विन्दुओं संस्थागत प्रसव व टीकाकरण अभियान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यक्ता है। सभी आशा व आशा संगिनी यह सुनिश्चित करायें कि सभी गर्भवती महिलाओं का प्रसव सरकारी अस्पताल में ही हो तथा गर्भवती महिलाओं की सभी जांच व टीके समय से लगे। जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आयेगी। शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं को उनके देखभाल के लिए तथा प्रसव उपरान्त प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी लोग लोगों को परिवार नियोजन के बारे में भी जागरूक करें। टीकाकरण में गलत फीडिंग हो जा रही है आप लोग सही डाटा उपलब्ध करायें। सभी बच्चों को अपना बच्चा मानकर कार्य करें। अपने जिम्मेदारियों को गम्भीरता पूर्वक निर्वहन करें। सभी कार्य मोबाइल फोन व पोर्टल पर हो रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को समय-समय पर आशाओं को ट्रेनिंग कराने का निर्देश दिया। आप लागों के माध्यम से ही स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ लागों तक पहुचाया जा सकता है। सीडीओ बलराम सिंह ने कहा कि आशा स्वास्थ्य विभाग की पहली कड़ी हैं जो गांव में रहकर गांव के लोगों का देखभाल व चिकित्सा सुविधा मुहैया कराती हैं। आशा कड़ी मेहनत करके घर-घर जाकर बुखार, टीबी के मरीजों व अन्य रोगों के लक्षण वाले मरीजों को चिन्हित करके उनकों नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जाकर उपचार कराती है। आशाओं को विभिन्न कार्य के लिए प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराया जाता है। सभी लोग जिम्मेदारी के साथ मिलकर कार्य करें जिससे जनपद के नागरिक स्वस्थ रहें। सीएमओ डॉ रजत कुमार चौरसिया ने आशाओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि आशा बहनें स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। आप सभी अपने क्षेत्र के लोगों को सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने का संकल्प लें। आशा बहनों के माध्यम से ही जनपद को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प पूरा होगा। सभी बहनें जिन लोगों का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है अनको जागरूक करते हुये उनका आयुष्मान कार्ड बनवायें। 70 वर्ष के उपर के लोगों एवं जीरो पावर्टी के लोगों का प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान कार्ड बनवायें। आशा बहनों को आयुष्मान कार्ड बनवाने पर प्रति कार्ड 05 रूपया उपलब्ध कराया जाता है। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का सभी जांच व टीकाकरण शतप्रतिशत पूर्ण करायें। आशा सम्मेलन के अवसर पर सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ वी0एन0 चतुर्वेदी, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील सिंह व अन्य द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया गया। शोहरतगढ़ की आशाओं द्वारा नाटक के माध्यम से टीकाकरण के बारे में जागरूक किया गया। आशा संगीता द्वारा अपना विचार भी व्यक्त किया गया।

गेहूं की फसल एवं स्ट्रॉबेरी की खेती का अवलोकन मंत्री ने किया,कृषि तकनीकी पर गोष्ठी का आयोजन

सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में कृषि मंत्री, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग उ0प्र0 सूर्य प्रताप शाही ने सांसद डुमरियागंज

जगदम्बिका पाल के साथ कृषि विज्ञान केंद्र सोहना का भ्रमण किया गया। मंत्री द्वारा निरीक्षण के दौरान केंद्र पर संचालित मखाना उत्पादन इकाई, मुर्गी पालन इकाई, लाइन सोइंग पद्धति से गेहूं की फसल एवं स्ट्रॉबेरी की खेती का अवलोकन किया तथा केंद्र की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने केंद्र के कृषि परियोजनाओं का गहन निरीक्षण किया तथा वहां मौजूद वैज्ञानिकों अधिकारियों और कर्मचारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। मंत्री जी ने किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार, जैविक खेती को प्रोत्साहन और स्थानीय फसलों जैसे काला नमक चावल जैसी जीआई टैग वाली उपज की बेहतर पैकेजिंग व मार्केटिंग पर जोर दिया। मखाने की खेती पर भी जोर देते हुए कहा कि जो भी किसान मखाने की खेती करना चाहते है तो यहां के किसानों और वैज्ञानिकों का प्रतिनिधि मंडल टीम दरभंगा जाएगा ट्रेनिंग लेकर आएगा जिससे आने वाले समय मे काला नमक के साथ साथ मखाना के खेती का विस्तार किया जा सके। इस अवसर पर उपस्थित कृषक बंधुओं को संबोधित करते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचार एवं आयवर्धन के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गईइस दौरान केन यूनियन के चेयरमैन संजय सिंह, मंडल अध्यक्ष विनय पाठक, जयवर्द्धन तिवारी एवं ए.डी. एक्सटेंशन के.एम. सिंह की उपस्थिति रही।

थाने में छात्र पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण, 24 छात्र-छात्राओं ने प्राप्त किया व्यावहारिक ज्ञान

सिद्धार्थनगर जिले के शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के 24 छात्र-छात्राओं ने पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शोहरतगढ़ थाने का भ्रमण कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व उपनिरीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा किया गयाप्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को महिलाओं

एवं बच्चों से संबंधित अपराधों से जुड़े विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी,मानव तस्करी जैसे विशेष अपराधों से संबंधित अधिनियमों पर विस्तार से चर्चा की गई। आगंतुक पटल एवं महिला हेल्पडेस्क के कार्यों की जानकारी देते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली को व्यावहारिक रूप से समझाया गयामहिला कांस्टेबल अंबिका एवं कामिनी तिवारी ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित ह्यमिशन शक्तिह्ल अभियान के उद्देश्य एवं गतिविधियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान अपराधों की रोकथाम,पीड़ितों की सहायता तथा समाज में जागरुकता बढ़ाने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गईकार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विधिक ज्ञान से जोड़ना और पुलिस व्यवस्था की कार्यशैली को समझाना था, जिससे उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके। इस दौरान छात्रों ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कियाइस अवसर पर रढएछ्झठरर नोडल डॉ. राम किशोर सिंह एवं डॉ. अजय सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। दोनों शिक्षकों ने छात्रों को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां युवाओं को समाज के प्रति अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बनाती हैंकार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं महाविद्यालय प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अनुभव बताया।

पुलिस ने एक नफर वांछित अभियुक्त को गैगस्टर एक्ट में भेजा जेल

सिद्धार्थनगरः जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन जनपद के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा

रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण में मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ के कुशल निर्देशन मे प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह द्वारा मय टीम ने मु0अ0स0 02/26 धारा 3(1),2( )(1) यू0पी0 गैगस्टर अधिनियम थाना शोहरतगढ से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मो0 अहमद पुत्र शब्बीर अहमद निवासी परसोहिया नानकार थाना शोहरतगढ उम्र 26 वर्ष को पतारसी सुरागरसी व मुखबीर खास की सूचना पर कस्बा शोहरतगढ मे प्लाईवुड तिराहे के पास से उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव व कास्टेबल धर्मनाथ यादव द्वारा नियमानुसार गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा।

पारिवारिक विवाद को सुलझाकर पुलिस ने सुलझवा कर पति पत्नी को भिजवाया घर

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा ₹महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण जागरूकता अभियान₹ के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के निर्देशन में अभय सिंह थानाध्यक्ष कठेला समयमाता के नेतृत्व में आवेदिका श्रीमती गीता देवी पत्नी मोहित

शर्मा ग्राम सिसवा थाना कठेला समयमाता द्वारा शिकायत किया गया था कि आवेदिका श्रीमती गीता देवी व उनके पति मोहित शर्मा के बीच कुछ कहा-सुनी हुआ था जिससे पति पत्नी के मध्य मनमुटाव हो गया था उभय पक्षों की मिशन शक्ति टीम द्वारा काउंसलिंग की गई दोनो पक्षो (पति-पत्नी) को उनके आपसी रिश्तों व उनके बच्चे के प्रति उनके दायित्वों व पारिवारिक कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया गया जिससे दोनो पक्ष (पति-पत्नी) राजी-खुशी से साथ रहने के लिये तैयार हुए । अब दोनों पक्षों के मध्य कास्टेबल शतीश चौहान, महिला कास्टेबल करिश्मा ने दोनो पति-पत्नी को सकुशल एक साथ राजी-खुशी घर भेज दिया गया । उक्त पुलिस कार्यवाही की आम जनमानस द्वारा सरहाना की गयी।

तमिलनाडु ने उत्तराखंड को तीन विकेट से हराया, ओम परमार बने मैन ऑफ द मैच

सिद्धार्थनगर जिले के वीरेंद्र ग्रामीण स्टेडियम छतहरी शोहरतगढ़ में शनिवार को सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित गौतम बुद्ध

ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 के तहत शनिवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में तमिलनाडु की टीम ने उत्तराखंड को तीन विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर उत्तराखंड के कप्तान किशन गुप्ता ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। निर्धारित 20 ओवर में उत्तराखंड की टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। टीम की ओर से साबिर रजा ने नाबाद 72 रन की शानदार पारी खेली जबकि विवेक कुमार ने 52 रन और विशाल चौधरी ने 14 रन का योगदान दियातमिलनाडु की ओर से गेंदबाजी में शैलेंद्र ने 2 विकेट झटके, विष्णु, शहआलम और अमन को एक-एक सफलता मिली।159 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी तमिलनाडु की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.4 ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के कप्तान ओम परमार ने नाबाद 61 रन की कप्तानी पारी खेली। सुनील रैकवार ने 43 रन, निलेश ने 15 रन और शैलेंद्र बुद्ध ने 15 रन का योगदान दियाशानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए तमिलनाडु के कप्तान ओम परमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। तमिलनाडु और उत्तराखण्ड मुकाबले के मुख्य अतिथि आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने फीता काटकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साह वर्धन किया। इस दौरान नपं अध्यक्ष उमा अग्रवाल, नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल,सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह,श्याम सुंदर चौधरी,विनय प्रताप सिंह, मनीष श्रीवास्तव,विवेक त्रिपाठी,विपिन त्रिपाठी,राजेश उपाध्याय,बेचन प्रसाद,केशव राम यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के मुख्य अतिथ्य में ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर के तत्त्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत हेल्दी लाइफ-हैप्पी लाइफ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन 31 जनवरी, 2026 को रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर बत्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के प्रख्यात कार्डियोलोजिस्ट डॉ0 संजीव शर्मा, प्रमुख विभागाध्यक्ष, चिकित्सक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने कहा कि हमें सुबह की शुरूआत पॉजिटिव होकर करना चाहिए। सभी हमेशा खुश रहे और सकारात्मक सोच रखे, इससे जीवन में खुशी आती है। हमेशा खुश होकर किसी काम को करना चाहिए तथा सेलिब्रेट करना चाहिए। मन में बहुत सारे विचार आते है, उसे नियंत्रित रखना चाहिए। प्रसन्नता नेचुरल गिफ्ट है उसे इंसान को बनाये रखना चाहिए, जो नई पीढ़ी आ रही है, उन्हें प्रसन्नचित्त रहना चाहिए और उसे मेन्टेन रखना चाहिए। महाप्रबंधक ने हेल्दी लाइफ-हैप्पी लाइफ विषय पर कहा कि हमे एक स्वस्थ्य जीवन शैली को अपनाना चाहिए। शरीर में सॉल्ट, सुगर, खान-पान आदि का संतुलन बनाये रखना चाहिए। इससे पूर्व, बत्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के कार्डियोलोजिस्ट डॉ0 संजीव शर्मा ने पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से हेल्दी लाइफ-हैप्पी लाइफ विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने ब्लड प्रेशर, हाईपर टेंशन, डायबीटिज, ह्दय घात जैसे प्रमुख बिमारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा फिजिकल हेल्थ, मेंटल हेल्थ के बारे में भी चर्चा की और कहा कि हम अपनी दिनचर्या में बदलाव कर जीवन को खुशहाल बना सकते है। हमें नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए तथा जंक फूड, फास्ट फूड एवं अधिक तेल, घी युक्त खाद्य पदार्थो से बचना चाहिए। ये पचने में भारी होते हैं और ये चीजे अक्सर एसिडिटी, मोटापे व अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याओं का कारण बनते हैं। प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ0 मो0 ए0 ए0 खान ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सकारात्मक बदलाव ही हमारे जीवन शैली में बदलाव ला सकता है। स्वास्थ्य को बनाये रखे और अपने जीवन में बदलाव लाए। कार्यक्रम का संचालन उप मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. स्नेहलता सिंह ने किया।

समपार संख्या 5 ए पर निमार्णाधीन सड़क उपरिगामी पुल पर 72 मीटर लम्बी बो स्टींग गर्डर के इरेक्शन का दृश्य

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर संरक्षा कार्य सवोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। गाड़ियों के निर्वाध संचलन एवं सड़क संरक्षा को ध्यान में रखकर समपारों को चरणबद्ध रूप में रोड ओवर ब्रिज/सीमित ऊँचाई के सब-वे बनाकर समाप्त किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर के द्वारा सड़क संरक्षा कार्यो की नियमित मॉनिटरिंग एवं मार्गदर्शन के फलस्वरूप गोरखपुर-आनन्दनगर खण्ड पर नकहा जंगल-मानीराम स्टेशनों के मध्य समपार संख्या 5 ए पर निमार्णाधीन सड़क उपरिगामी पुल पर 72 मीटर लम्बा बो स्टींग गर्डर के इरेक्शन का कार्य 30 जनवरी, 2026 को पूर्ण हुआ। दो लेन के निमार्णाधीन सड़क उपरिगामी पुल पर 72 मीटर लम्बे बो स्टींग गर्डर के इरेक्शन का महत्वपूर्ण कार्य इंजीनियरिंग, परिचालन विभाग के साथ ही लखनऊ मंडल की टीम में बेहतर तालमेल एवं समन्वयन से पूर्ण हुआ। 05 एवं 06 फरवरी, 2026 को इस कार्य का अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन की टीम द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। तत्पश्चात सड़क उपरिगामी पुल के बो स्टींग गर्डर के लांचिंग का कार्य फरवरी, 2026 में सम्पन्न होगा। इस परियोजना के पूरा हो जाने पर चारों लेन सड़क उपयोगकताओं को मिल जाएंगी, जिसका लाभ सभी को मिलेगा।

किसान मेले के आयोजन में कृषि मंत्री ने किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी

सिद्धार्थनगर जिले के बीएसए ग्राउंड में आयोजित सिद्धार्थनगर महोत्सव के चौथे दिन रबी किसान मेला का आयोजन किया गया। रबी किसान मेला के अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग उत्तर प्रदेश सूर्य प्रताप शाही, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रजत कुमार चौरसिया, सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल आदि उपस्थित थे। मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग सूर्य प्रताप शाही को सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा बुकें देकर स्वागत किया गया। रबी किसान मेला के अवसर पर मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग उत्तर प्रदेश सूर्य प्रताप शाही ने जनपद वासियों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि महात्मा गौतम बुद्ध की धरती से शान्ति, अहिंसा व करूणा का संदेश देश विदेश में पहुंचा है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृतव में हमारा देश निरन्तर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था पहले 11वें पायदान पर थी आज दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। हमारा उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से बाहर निकला है। कोरोना महामारी के दौरान सभी देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई लेकिन भारत में किसानों द्वारा खेती के माध्यम से उसको बनाये रखा। जनपद के किसान उन्नत तकनीकों का प्रयोग करते हुये वैज्ञानिक विधि से खेती करना चालू कर दें तब प्रधानमंत्री

एवं मुख्यमंत्री के विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश बनाने का संकल्प सिद्ध होगा। जनपद के कालानमक चावल को ओडीओपी में शामिल होने पर कालानमक की खेती 24000 हे0 हो गयी है। जनपद में 19 एफ0पी0ओ0 कार्य कर रहे हैं। मंत्री जी ने जिलाधिकारी को जनपद में दूसरी कामन फैसिलिटेशन सेन्टर की स्थापना के लिए शोहरतगढ़/बर्डपुर में जमीन चिन्हित कराने के लिए निर्देश दिया। जिससे यहां के किसानों को प्रोसेसिंग से लेकर पैकेजिंग तक का लाभ मिल सके। रबी सीजन में 9.5 लाख कु0 गेंहू का बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया गया। उसका परिणाम रहा कि उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक गेंहू उत्पादन करने वाला राज्य बन गया। मत्स्य उत्पादन में भी जनपद की हिस्सेदारी अधिक है। डबल इंजन की सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है। किसानों को प्रमाणित बीज व उर्वरक समय से उपलब्ध हो सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होने किसानों से अपील किया कि केवल धान गेंहू की खेती न करें इसके साथ ही दलहनी व तिलहनी फसलों का भी उत्पादन करें। तभी हमारा देश दलहन व तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। रासायनिक उर्वरकों का कम प्रयोग करें जैविक उर्वरक का प्रयोग करें। 260000 किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ दिया गया है। सभी किसानों से अपील किया कि फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा लें जिससे सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। जब हमारा गांव विकसित होगा तभी हमारा प्रदेश व देश विकसित होगा। आशा संगिनी को बेहतर कार्य के लिए सांकेतिक चेक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बीसीपीएम खुनियांव व विभिन्न विकास खण्डों की आशाओं को बेहतर कार्य करने एवं प्रगतिशील किसानों तथा कालानमक के स्टाल लगाने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग उत्तर प्रदेश सूर्य प्रताप शाही को जिला प्रशासन द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, उपायुक्त उद्योग उदय प्रकाश ,अन्य अधिकारी गण व किसान व आशा कार्यकत्रियों की उपस्थिति रही।

18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी छात्राओं का किया गया मतदाता पंजीकरण

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ में प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता एवं महाविद्यालय की स्वीप संयोजक एन.सी.सी. अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व एवं देखरेख में कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मतदाता साक्षरता क्लब को सक्रिय करते हुए विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत महाविद्यालय की वे छात्राएं जो 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी है, उनका मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से नव मतदाता पंजीकरण अभियान प्रारंभ किया गया। जिसमें मतदाता साक्षरता क्लब की सदस्य कैडेट अंडर ऑफिसर बुशरा हामिद, महिमा, आस्था त्रिपाठी, लक्षिका किशोर, प्रीति कुमारी, निकिता सिंह, अलीशा, जूही मिश्रा, सिद्धी वर्मा, निधि रस्तोगी, उरूज, मुस्कान साहू ने सक्रिय सहयोग किया। 18 वर्ष की आयु के जिन छात्राओं का पंजीकरण अभी तक नहीं हुआ है, मतदाता साक्षरता क्लब के सदस्य उनका पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए लगातार कुछ दिनों तक प्रयास जारी रखेंगे।

दहेज प्रथा और फिजूलखर्च पर रोक के लिए सम्मेलनों की आवश्यकता

■ ग्वालियर

सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा एक फरवरी को चेम्बर भवन में ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए भूमि पूजन शुक्रवार को चेम्बर भवन में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर रहे। अध्यक्षता प्रकाश नारायण शर्मा ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि दहेज प्रथा और विवाह में होने वाले फिजूल खर्चों पर रोक के लिए इन सामूहिक सम्मेलनों की अधिक आवश्यकता है। मुख्य वक्ता एमडी पाराशर ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को विवाह सम्मेलन करना चाहिए। कार्यक्रम की रूपरेखा संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में रामबाबू कटारे, परमानंद शर्मा, महंत सतीश शर्मा, रामनारायण मिश्रा, भुवनेश्वर बाजपेई, डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी, कांता शर्मा, बीना भारद्वाज आदि उपस्थित रहे। संचालन श्याम बाबू शर्मा और आभार योगेंद्र दीक्षित ने व्यक्त किया।

विवाह मुहुर्त

- फरवरी: 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25, 26.
- मार्च: 2, 3, 4, 7, 8, 9, 11, 12.
- अप्रैल: 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28, 29
- मई: 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14
- जून: 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29
- जुलाई: 1, 6, 7, 11

(25 जुलाई से चातुर्मास शुरू)

शुक्र के उदय होने से 5 फरवरी से शुरू होंगे मांगलिक कार्य

शुक्र का तारा उदय होने से 5 फरवरी से मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि शुक्र ग्रह निर्णय सागर पंचांग के अनुसार 3 फरवरी को सुबह 6:10 बजे उदित होंगे। इसके दो दिन बाद 5 फरवरी से विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे कार्यक्रम होंगे। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस बार शुक्र सभी के लिए खुशियां लेकर आ रहा है। वहीं 19 फरवरी को फुलेरा दूज होने पर अबूझ मुहूर्त रहेगा।

श्री समर्थ रामदास नवमी उत्सव 2 फरवरी से होगा आरंभ

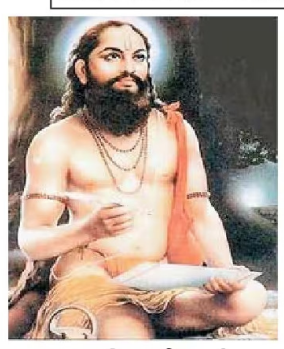

दाल बाजार स्थित श्री समर्थ रामदास स्वामी की 200 वर्ष पुरानी प्राचीन परंपरा के मठ आबा महाराज श्री राम मंदिर में 2 फरवरी से छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु श्री समर्थ रामदास नवमी उत्सव आरंभ होने जा रहा है जो 11 फरवरी तक चलेगा। कार्यक्रम में प्रतिदिन भगवान की मंगल आरती के साथ महाभिषेक, श्री समर्थ रामदास द्वारा रचित ग्रंथराज दासबोध का सामूहिक पारायण सुबह 10:15 से 11:45 बजे तक आयोजित होगा। शाम को 4:15 बजे सामूहिक उपासना होगी। विशेष कार्यक्रम में नित्य शाम को 5:30 से 7 बजे तक कीर्तनकार ओंकार बुवा गद्रे, डोंबिवली (महाराष्ट्र) का कीर्तन होगा। उत्सव के दौरान प्रातः 8 से शाम 5 बजे तक श्री समर्थ रामदास द्वारा प्रणित महामंत्र श्रीराम जय राम जय जय राम का अखण्ड जाप होगा। प्रतिदिन सुबह 7:30 से 8:30 बजे तक आबा महाराज मठ मंडल द्वारा किए जाएंगे। इसी क्रम में 9 फरवरी को श्री गजानन भजन मंडल द्वारा शाम 7:30 से रात्रि 8:45 बजे तक भजनों का कार्यक्रम होगा।

वाईकर मठ में मनेगा पुण्यतिथि उत्सव

वाईकर मठ लक्ष्मीगंज में 2 से 15 फरवरी तक श्री समर्थ रामदास पुण्य तिथि उत्सव मनाया जाएगा। मठ के प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि महोत्सव का प्रारंभ सोमवार को सुबह आठ बजे ध्वज वंदन, गौ पूजा, अभिषेक और आरती से होगा। प्रमुख कार्यक्रमों में 2 से 10 फरवरी तक प्रतिदिन सायं छह बजे से ढोली बुआ महाराज मराठी में हरिकथा करेंगे। 8 फरवरी को सुबह नौ बजे से सामुहिक सूर्य नमस्कार होगा जिसके संयोजक पंकज नाफडे और प्रायोजक दीपेंद्र घाटे हैं। 11 फरवरी को राम दास नवमी पर समर्थ निर्वाण कथा, पालखी यात्रा व सायंकाल 5 बजे महाप्रसाद होगा। इसी क्रम में 13 को वसंत पूजा, 14 को सत्य नारायण पूजा होगी। 15 को सुबह दस बजे श्रीमद् दासबोध पारायण एवं शाम 6 बजे हिंदी में हरि कथा के बाद चौदह दिवसीय महोत्सव का समापन होगा। इसके अलावा प्रतिदिन भजनों की प्रस्तुति होगी।

एकादशी के उद्यापन से मिलता है पुण्यः अग्रवाल

अग्र सेवा संस्थान द्वारा शुक्रवार को शिंदे की छावनी स्थित आगरा अग्रवाल भवन में विधि विधान के साथ बारह जोड़ो का ग्यारस उद्यापन कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल थे। इस मौके पर श्री अग्रवाल ने कहा कि एकादशी का उद्यापन कराने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

अतिथि स्वागत महासचिव अशोक गुप्ता, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के श्याम सुंदर अग्रवाल, राजनैतिक प्रकोष्ठ संयोजक श्रीरामगोयल, कोषाध्यक्ष रवि गुप्ता, नवल किशोर गोयल, रवि गर्ग,सोम अग्रवाल, विपिन खेतान, मोहन गर्ग, प्रतिभा गुप्ता, भारती अग्रवाल, सुनीता जैन, ज्योति अग्रवाल, डॉ मंजुला अग्रवाल और माया गोयल ने किया। संस्थान के अध्यक्ष अजय जैन और महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष नीलम गर्ग ने मुख्य अतिथि को महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संचालन श्रीराम गोयल ने किया।

जीव कर्मों के अधीन हैः रामेश्वरानंद

हमें अपने कर्मों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। भगवान जीव को उसके कर्म के आधार पर जन्म देता है। जैसा जीव कर्म करता है वैसा ही उसको फल प्राप्त होता है। कर्मों के आधार पर ही जीव को सुख और दुख मिलते हैं। यह विचार श्री दादाजी धाम धर्मपुरी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में धर्म सभा को संबोधित करते हुए स्वामी रामेश्वरानंद महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि भ्रूण हत्या महापाप है।

भगवान वेंकटेश की विशाल शोभायात्रा आज

नई सड़क स्थित जानकी वल्लभ मंदिर में चल रहे ब्रह्मोत्सव महोत्सव के अंतिम दिन शनिवार को भगवान वेंकटेश की रथ यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन समिति के सचिव भारत झंवर ने बताया कि शनिवार को दोपहर 2:30 बजे नागोरिया पीठाधिपति श्री विष्णु प्रपन्नाचार्य महाराज की मंगलानुशासन में भगवान वेंकटेश अपनी श्री शक्तियों श्रीदेवी एवं भू देवी के साथ भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण पर निकलेंगे। शोभा यात्रा नई सड़क स्थित जानकी वल्लभ मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नई सड़क, हनुमान चौराहा, जनकगंज, भाऊ का बाजार, बाडा, सराफा बाजार, डीडवाना ओली एवं नई सड़क होते हुए मंदिर प्रांगण पर समाप्त होगी।

राम महाराज की श्रीमद भागवत कथा आज से

श्री सनातन धर्म मंदिर में भागवताचार्य राम महाराज द्वारा 31 जनवरी से 6 फरवरी तक श्रीमद् भागवत कथा श्रवण कराया जाएगा। 31 जनवरी को सुबह 10 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा का समय दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक रहेगा।

कल से तीन दिन बारिश की संभावना

■ 10 डिग्री से नीचे पहुंचा न्यूनतम तापमान

■ ग्वालियर

ग्वालियर-चंबल संभाग का मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। एक से पांच फरवरी के दौरान पश्चिमी हिमालय में एक के पीछे एक कुल तीन पश्चिमी विक्षोभ आने वाले हैं। इनके प्रभाव से फरवरी के शुरुआती दिनों में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।

ग्वालियर में बीते 27 जनवरी मंगलवार को हुई जोरदार बारिश के बाद हर दिन सुबह से दोपहर तक कोहरे का प्रकोप जारी है। शुक्रवार को भी दोपहर तक कोहरा छाया रहा। हालांकि दोपहर बाद निकली गुनगुनी धूप से ठंड से राहत मिली लेकिन शाम होते ही ठंड चरम पर थी। आज उत्तर-पूर्वी हवा चलने से न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले दिन की तुलना में आज न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस गिरावट के साथ 9.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया जो सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है जबकि अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 22.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के अनुसार उत्तर-पूर्व से आ रही हवा में नमी होने की वजह से अगले दो दिन भी सुबह मध्यम से घना कोहरा देखने को मिल सकता है जबकि एक फरवरी से बादल छाने के साथ बारिश का क्रम शुरू हो सकता है। बताया जा रहा है कि इस समय ईरान के उत्तर-पूर्वी भाग में एक पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है। जिसके 31 जनवरी की रात तक जम्मू-कश्मीर में दाखिल होने की संभावना है। इसी के पीछे दो फरवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ आएंगे। इन दोनों मौसम प्रणालियों के प्रभाव से एक से तीन फरवरी के दौरान ग्वालियर-चंबल में अधिकांश क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। इसी क्रम में पांच फरवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि उसका प्रभाव कितना रहेगा। यह उसकी तीव्रता पर निर्भर करेगा।

सोशल वुमनियां क्लब ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

ग्वालियर। माधव नगर सोशल वुमनियां क्लब की सदस्यों ने गत दिवस होटल सुख सागर में नववर्ष मिलन समारोह उल्लास और उमंग के साथ मनाया। इस अवसर पर क्लब की सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाने का संकल्प लिया। क्लब की फाउंडर प्रेसिडेंट साधना पंड्या ने कहा कि मानवता ही हमारा श्रेष्ठ धर्म है। इस मौके पर संगीतमय खेल खेले गए जिनमे गीता शर्मा, किरण शर्मा, नीलम शर्मा, मोनिका गुप्ता, सीमा हासवानी, गीता गुप्ता, मीरा द्विवेदी, अरूणा अग्रवाल, बबीता शर्मा विजयी रहीं। संचालन अनीता वाजपेयी ने किया।

कॉम्बिंग गश्त में 292 वारंटियों को पकड़ा 319 गुंडे- हिस्ट्रीशीटरों को किया चेक

■ ग्वालियर

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने व आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने 292 वारंटियों को गिरफ्तार किया और 319 गुंडे- हिस्ट्रीशीटरों की जांच कर उनसे पूछा कि इन दिनों वह क्या कर कर रहें हैं। कॉम्बिंग गश्त के दौरान स्वयं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने शहर में भ्रमण कर जायजा लिया।

पुलिस ने 29-30 की दरमियानी रात को कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। जनवरी माह में पहली बार पुलिस आदतन बदमाशों के घरों पर पहुंची और उनसे पूछताछ कर यह पता लगाया कि इन दिनों उनकी क्या गतिविधि है। पुलिस ने इस दौरान 167 स्थाई व 125 गिरफ्तारी वारंटी पकड़े हैं। वहीं 167 गुण्डा एवं 152 हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया। साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला और ढाबों को भी चेक किया। पुलिस की विभिन्न टीमों ने शहर व देहात क्षेत्रों में संवेदनशील इलाकों में भी गश्त की। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहनों तथा मुंह बांधे दो पहिया वाहन चालकों की विशेष तौर पर चेकिंग की। साथ ही कई सक्रिय बदमाशों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई तथा गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। शहर व देहात क्षेत्र की गली, मौहल्लों में घूमकर पुलिस ने बदमाशों को चेतावनी भी दी यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। कॉम्बिंग गश्त के दौरान एएसपी अनु बेनीवाल, विदिता डागर, सुमन गुर्जर, जयराज कुबेर सहित सभी सीएसपी,डीएसपी और थाना प्रभारी सहित थानों का बल मौजूद रहा।

संत रविदास जयंती की पूर्व संध्या पर दीपदान आज

■ ग्वालियर

संत रविदास जयंती एक फरवरी को मनाई जाएगी। जयंती की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा ग्वालियर द्वारा उनकी सभी प्रतिमाओं पर 31 जनवरी को सायं 4 बजे दीपदान का किया जाएगा। संत रविदास जयंती की पूर्व संध्या पर पूर्व विधानसभा का कार्यक्रम थाटीपुर श्रीनगर कॉलोनी स्थित संत रविदास आश्रम में होगा। जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। ग्वालियर विधानसभा का कार्यक्रम लक्ष्मण तलैया स्थित संत रविदास प्रतिमा पर किया जाएगा।पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी मुख्य अतिथि रहेंगे। वहीं दक्षिण विधानसभा का कार्यक्रम वार्ड 52 के बौद्ध नगर में संत रविदास बगिया में होगा। पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी मोर्चे के जिलाध्यक्ष संतोष गोडयाले ने दी।

विचार गोष्ठी आज

विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में संत शिरोमणि रविदास जयंती के उपलक्ष्य में हिंदू संगम एवं विचार गोष्ठी 31 जनवरी को सायं 4 बजे नई सड़क स्थित माधव महाविद्यालय के सामने राष्ट्रोत्थान न्यास के तराणेकर सभागार में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बजरंग दल के क्षेत्र संयोजक विश्ववर्धन भट्ट एवं मुख्य अतिथि ज्योतिषाचार्य डॉ. त्रिभुवन उपाध्याय होंगे।

जयंती कल मनेगी

सर्वधर्म मानव उत्थान शिक्षा सेवा समिति ग्वालियर के तत्वावधान में एक फरवरी रविवार को महाराज बाड़ा पर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 649वी जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में सेवानिवृत जिला न्यायाधीश आरपी कतरौलिया, डॉ. पीसी जाटव, डॉ. प्रवीण गौतम होंगे।

महादजी शिंदे की पुण्यतिथि पर किया नमन

ग्वालियर। श्रीमंत महादजी शिंदे की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को सुबह अचलेश्वर मंदिर के पास स्थित प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मराठा समाज के इंद्रजीत शिंदे ने बताया कि महादजी शिंदे पानीपत युद्ध के महानायक थे।इस अवसर पर पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष सुधीर गुप्ता, पार्षद दल के नेता हरीपाल, मराठा बोर्डिंग के अध्यक्ष बालराजे शिंदे, राजेंद्र शिंदे, संग्राम सिंह कदम, बाल खाण्डे इंद्रजीत शिंदे, जंयत जपे, हर्षजीत शिंदे, राजेंद्र शिंदे सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे।

समूह परिवर्तन में फर्मों की जांच का मुद्दा नहीं चला

ग्वालियर। मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी बैठक में शुक्रवार को कुछ फर्मों के परिवर्तन के बीच यह मुद्दा भी उछला कि अभी भी ऐसी फर्में है जिनका व्यवसाय कुछ है और वह कार्य कोई दूसरा करतीं हैं इसलिए ऐसी फर्मों की स्कूटनी की जाए। लेकिन वरिष्ठ सदस्य रामनिवास अग्रवाल ने इसका विरोध किया। क्योंकि ऐन चुनाव के मौके पर नए विषय पर काम किया जाएगा तो समय काफी लगेगा। सदन में विरोध के चलते इसपर निर्णय नहीं लिया जा सका। जबकि 25 सदस्यता से कम के समूह मर्ज करने के विषय पर संबंधित कार्यकारिणी सदस्यों को बुलाकर चर्चा करने पर सहमति बनी।

नशे की लत सोचने-समझने की शक्ति छीन लेती हैः प्रहलाद

ग्वालियर। द्वितीय वाहिनी विसबल ग्वालियर द्वारा शुक्रवार को रेंज स्तरीय नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशा उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बीके प्रहलाद भाई रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि नशा इंसान के जीवन को धीरे-धीरे अंधकार की ओर ले जाता है। छोटी-छोटी बातों में आनंद ढूंढना, दूसरों की मदद करना और मुस्कुराते रहना ही वास्तविक खुशी है। कार्यक्रम में उप महानिरीक्षक राकेश सागर ने कहा कि याद रखिए जीत एक दिन मिलती है, लेकिन तजुर्बा रोज मिलता है। इस अवसर पर डॉ. ओम प्रकाश वर्मा, पूनम शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आत्मसुख के लिए आत्मचिंतन करेंः अण्णा महाराज

ग्वालियर। हम सभी आत्मचिंतन कर आत्मसुख का आनंद लें। परंतु यह बिना गुरु के संभव नहीं है। गुरुकृपा से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। इसलिए सभी को गुरु के प्रति अखंड श्रद्धाभक्ति होना चाहिए। यह बात महंत मनीष विठ्ठल अण्णा महाराज ने निंबालकर की गोठ स्थित मठ में हठयोगी अण्णा महाराज के 198वें समाधि महोत्सव में गुरुवार को गुरुकृपा की महिमा बताते हुए कही। मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा थे। अध्यक्षता विप्र महासभा के संस्थापक धीरेंद्र चौबे ने की। विशिष्ट अतिथि सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा जिलाध्यक्ष कपिल भार्गव एवं समाजसेवी डॉ. जितेंद्र सिंह राजावत थे। अण्णा महाराज ने कहा कि सभी को अपनी मर्यादा और सीमा का ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान महंत साथ धीरेन्द्र चौबे एवं कपिल भार्गव ने मुख्य अतिथि डॉ. राजीव मिश्रा को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर ब्रह्म रत्न सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर मांडवी मनीष विठ्ठल, इंजी. विश्वरंजन गुप्ता, हरीश भार्गव, समिधा मंगलमूर्ति, शोभा राठौर, श्रेष्ठ, परशुराम अण्णा महाराज, देवांश बौहरे, अंकित मराठा, मनीष रत्नाकर, त्रिलोक राठौर आदि उपस्थित रहे।

पिस्टल के साथ तस्कर पकड़ा खरीदार नाबालिग से भी पिस्टल मिली

■ ग्वालियर

थाटीपुर थाना पुलिस ने अवैध पिस्टल के साथ तस्कर को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान एक नाबालिग को पिस्टल बेचने की कही तो पुलिस ने दबिश देकर नाबालिग को भी अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर से अवैध हथियारों के बारे में पूछताछ शुरु कर दी है। थाटीपुर थाना प्रभारी विपेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि नदीपार टाल मरघट रोड पर तस्कर अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और संदेही को पकड़ लिया। पकड़े गए अभिषेक पुत्र रमाकांत उचारिया निवासी न्यू सुरेश नगर शीतला गार्डन के पास से तलाशी के दौरान पिस्टल बरामद की गई। पुलिस ने जब अभिषेक से हथियार के बारे में पूछा तो उसने कहा कि दुल्लपुर में रहने वाले एक नाबालिग को भी उसने पिस्टल बेची थी। पुलिस ने दबिश देकर नाबालिग को भी उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। अभिषेक से पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह पिस्टलें कहां से लेकर आता है और शहर में कितने लोगों को अभी तक हथियार बेचे हैं। पुलिस ने दानों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

भारतीय उत्पादों को उचित मंच दिलाया जाएगाः डॉ. गोयल

■ ग्वालियर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा भारत मंडपम नई दिल्ली में आगामी मई माह में भारतीय व्यापार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को ग्वालियर व्यापार मेले में भारत व्यापार महोत्सव के प्रमोशन पवैलियन का शुभारंभ महोत्सव के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. रामगोपाल गोयल ने किया। स्वागत भाषण मुकेश अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रामगोपाल गोयल ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव के सफल होने के बाद 6 राज्यों में आगे इसी प्रकार के भारतीय व्यापार महोत्सव आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 6 देशों में दुबई, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर सहित अन्य देशों में इस प्रकार के भारतीय व्यापार महोत्सव करके, ऐसे उत्पाद जिनमें भारतीय लोगों का पसीना लगा हो, उन सभी को उचित मंच दिलाया जाएगा। कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव कैट द्वारा एक ऐसा अभिनव प्रयोग है जो कि प्रधानमंत्री की भावनानुसार देश की मजबूत अर्थ व्यवस्था को समूचित देश के समक्ष रखेगा। इस अवसर पर भाजपा नेता गोपाल गर्ग, मेला समिति के सदस्य अनुराग जैन, योगेश मित्तल, अरुण गुप्ता, विद्याभूषण त्यागी, गिरीश शर्मा, हिमांशु छापरिया, दीपक पमनानी, रवि गुप्ता, अजय चौपड़ा, कविता जैन, सपना गोयल आदि उपस्थित रहे।

भक्तों की रक्षा करते हैं ईश्वरः यतेन्द्र कृष्ण

■ ग्वालियर

सच्चे भक्त की भक्ति कभी निष्फल नहीं जाती। इतिहास और पुराण इस बात के साक्षी हैं कि जिसने भी ईश्वर पर अटूट विश्वास रखा, वह कभी दुखी नहीं रहा। ईश्वर अपने भक्तों की हमेशा रक्षा करते हैं और भक्ति का मार्ग ही जीवन को सुखमय बनाता है। यह बात पं. यतेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने संत कंवरराम कॉलोनी, मामा का बाजार में आयोजित भागवत कथा में ध्रुव चरित्र, नृसिंह अवतार की कथा सुनाते हुए कही। इस मौके पर अधिवक्ता बृजेश वाजपेयी, केशव पाठक, भुवनेश गुर्जर व प्रमोद दुबे ने व्यास पीठ का पूजन किया। उन्होंने कहा कि बालक ध्रुव ने कठोर तपस्या कर भगवान विष्णु को प्रसन्न किया और अटल भक्ति का उदाहरण प्रस्तुत किया। भक्त प्रहलाद की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि प्रहलाद को मारने के लिए कई प्रयास किये गए, लेकिन सभी प्रयास निष्फल रहे। अंततः भक्त रक्षा के लिए भगवान को नृसिंह रूप धारण करना पड़ा। नृसिंह अवतार लेकर भगवान ने प्रहलाद की रक्षा की और अधर्म का नाश किया। इस अवसर पर रामेन्द्र शिवहरे, सौरभ अग्रवाल, गोपाल दास अग्रवाल, राजू शर्मा, मनोज भदकारिया, अमित सोनी आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

अजित पवार के निधन से राकांपा में अनिश्चितता

अजित पवार के अचानक निधन से महाराष्ट्र में एक राजनीतिक शून्य पैदा हो गया है और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का भविष्य पूरी तरह से अनिश्चित हो गया है। इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि उनका जनसमर्थन और संगठनात्मक नियंत्रण किसे मिलेगा। ऐसे में राकांपा बिखराव, पुनर्गठन और सुलह के चौराहे पर खड़ी है। अजित पवार के बाद पार्टी में कोई दूसरा बड़ा नेता नहीं है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार राज्यसभा सांसद हैं और महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय हैं। हालांकि, उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी है। इस बीच, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और राज्य राकांपा अध्यक्ष सुनील तटकरे नेतृत्व संभालने के संभावित दावेदार हैं। हालांकि, उनके पास अजित पवार जैसा राज्यव्यापी जमीनी जुड़ाव नहीं है। उनके बेटे-पार्थ पवार और जय पवार उनकी राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। पार्थ ने मावल निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे। छोटे बेटे जय पवार राजनीति में ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। दोनों बेटों की अपनी कंपनियां हैं, वे व्यवसाय और सामाजिक उद्यम चलाते हैं। अब, अजित पवार के बाद कौन केंद्र में आएगा और पवार के गढ़ को बरकरार रखेगा? राकांपा (ए.पी.) कैसे आगे बढ़ेगी या राकांपा (एस.पी.) में विलय होगी? इन सवालों के जवाब महाराष्ट्र की राजनीति की गतिशीलता को पहले की तरह बदल सकते हैं। थरूर की खरगे, राहुल से मुलाकात रू पार्टी नेतृत्व के साथ बेचैनी की खबरों के बीच, तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ एक लंबी बैठक की, जिससे संबंधों में संभावित सुधार का संकेत मिला। दोनों पक्षों ने एकता और समन्वय पर जोर दिया क्योंकि पार्टी महत्वपूर्ण केरल विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, थरूर ने कहा, आज कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी को विभिन्न विषयों पर गर्मजोशी भरी और रचनात्मक चर्चा के लिए धन्यवाद। हम सभी भारत के लोगों की सेवा में आगे बढ़ते हुए एक ही पेज पर हैं केरल विधानसभा चुनावों के लिए मुख्यमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे पर एक सवाल के जवाब में, थरूर ने कहा कि यह कभी मुद्दा नहीं था। यह बैठक तब हुई जब थरूर ने विधानसभा चुनावों के लिए रणनीतियों को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली में केरल के शीर्ष नेताओं के साथ ए.आई.सी.सी. की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग नहीं लिया था। सूत्रों के अनुसार, मीटिंग के दौरान राहुल गांधी ने थरूर से कहा कि वह बहुत महत्वपूर्ण हैं और पार्टी के लिए जरूरी हैं तथा उन्हें विश्वास दिलाया कि उन्हें भरोसे में लिया जाएगा और केरल में कांग्रेस के सभी अहम फैसलों में उनकी मौजूदगी पर भी विचार किया जाएगा। प. बंगाल में माकपा व जे.यू.पी. में गठबंधन होगा! रू पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, पश्चिम बंगाल माकपा के सचिव मोहम्मद सलीम की जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर से मुलाकात ने माकपा और जनता उन्नयन पार्टी (जे.यू.पी.) के बीच गठबंधन की अटकलों को हवा दी थी। जनता उन्नयन पार्टी एक नया राजनीतिक दल है जिसे पूर्व टी.एम.सी. नेता ने बनाया था, जब सत्तारूढ़ पार्टी ने उन्हें मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने हेतु अभियान चलाने के लिए सस्पैंड कर दिया था। हालांकि, सलीम ने कहा कि वह कबीर से सिर्फ यह जानने के लिए मिले थे कि वह क्या करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, कबीर ने इस मुलाकात को एक शिष्टाचार मुलाकात बताया लेकिन यह माना कि चर्चा में विधानसभा चुनावों के लिए संभावित गठबंधन पर बात हुई। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने माकपा पर हमला बोला और कहा कि माकपा कंगाल हो गई है, और गठबंधन के लिए भीख का कटोरा लेकर घूम रही है। द्रमुक-कांग्रेस में सीटों का खेल रू कांग्रेस नेता राहुल गांधी और द्रमुक नेता कनिमोझी ने आने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों पर चर्चा करने के लिए 10 जनपथ पर मुलाकात की, लेकिन सीटों के बंटवारे पर कोई समझौता नहीं हो सका। द्रमुक ने साफ तौर पर कह दिया है कि वह कांग्रेस को कैबिनेट सीट नहीं देगी, हालांकि उसने गठबंधन जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के दौरान, राहुल गांधी ने कनिमोझी के जरिए द्रमुक नेतृत्व को साफ तौर पर बताया कि उनकी पार्टी ऐसी कोई रणनीति नहीं अपनाएगी, जिससे गठबंधन में तनाव पैदा हो, जिसमें सत्ता-सांझेदारी की बातचीत भी शामिल है। यह भी कहा जा रहा है कि उन्होंने चुनाव से पहले किसी वैकल्पिक गठबंधन को चुनने या विजय की तमिलगा वेट्री कषगम (टी.वी.के.) के साथ गठबंधन करने के किसी भी विकल्प को खारिज कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने 42 सीटों की मांग की थी, लेकिन द्रमुक ने अपने ऑफर को 25 से बढ़ाकर सिर्फ 30-32 सीटों तक करने पर सहमति जताई। हालांकि कनिमोझी और राहुल गांधी ने गठबंधन में तनाव को खत्म कर दिया है लेकिन सभी की नजरें इस बात पर हैं कि अभी शुरू होने वाला सीटों का खेल द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन को आगे कैसे प्रभावित करेगा।

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को समता, समान अवसर और समावेशी शिक्षा की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था।

गुरु जी की शिक्षाएं अपना कर एक ईमानदार और ईर्ष्यामुक्त समाज का निर्माण करें

सरबजीत राय

भारतीय संस्कृति में, जब हम भक्ति आंदोलन की बात करते हैं, तो सबसे पहले जिस आध्यात्मिक विचारक का नाम हमारे मन में आता है, वह है श्री गुरु रविदास जी का। ऐसा कहा जाता है कि जब भी संसार में अत्याचार, बुराई या दुराचार चरम पर पहुंचता है, तब स्वयं भगवान किसी न किसी रूप में मानव रूप धारण करके इस अंधकार में मानवता का मार्ग दिखाने के लिए पृथ्वी पर आते हैं। 15वीं-16वीं शताब्दी की बात करें, जब समाज जातिवाद, गरीबों पर अत्याचार, भेदभाव और ऊंच-नीच जैसी बुराइयों से ग्रस्त था, तब मानवता को इन बुराइयों से मुक्त करने और समाज के ठेकेदारों को सही मार्ग दिखाने के लिए भगवान ने सांसारिक रूप धारण किया और एक मर्द अगंबड़े को पृथ्वी पर भेजा, जो बाद में श्री गुरु रविदास जी के नाम से जाने गए। उनका जन्म सन 1376 ईस्वी, यानी 1433 विक्रमी सम्वत को काशी बनारस (अब उत्तर प्रदेश) में पिता संतोख और माता कलसी जी के घर हुआ था। अपने जीवनकाल में उन्होंने बढ़ई का काम किया और मनुष्य को अपने हाथों से काम करने का संदेश दिया। उन्होंने अपनी कमाई का उपयोग संगत, पंगत और लंगर की सेवा में किया और मानवता को यह संदेश दिया कि हाथों से कोई भी काम करना मनुष्य के लिए गर्व की बात है। कोई भी काम बुरा नहीं होता, बल्कि मनुष्य की बुरी सोच ही उसे बुरा बना देती है। बेशक उस समय मजलूमों की आवाज उठाने के लिए धर्म के ठेकेदारों ने उनकी आवाज को दबाने के हरसंभव प्रयास किए और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, फिर भी अपनी विनम्रता और एकजुटता की शिक्षाओं के कारण उन्होंने हर भटके व्यक्ति को सही राह दिखाई। श्री गुरु रविदास जी द्वारा रचित बाणी की बात करें तो उनके 41 शबद,श्लोक श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में अंकित हैं। इसके अलावा, रैदास जी की बाणी नामक हस्तलिखित ग्रंथ भी उपलब्ध है। 1984 में भाषा विभाग ने इसे बाणी सतगुरु रविदास जी की शीर्षक से प्रकाशित किया था। भारत के लोगों के लिए यह गर्व की बात है कि इस भूमि पर अनेक गुरुओं, संतों, फकीरों और भक्तों ने जन्म लिया तथा मानवता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया। श्री गुरु रविदास जी के भजन प्रेम और भक्ति पर आधारित हैं व अच्छे लोगों की संगति में रहने की प्रेरणा देते हैं। ये भजन संदेश देते हैं कि व्यक्ति जिस प्रकार की संगति में रहता है, उसी प्रकार की सोच उसमें उत्पन्न हो जाती है। गुरु जी के भजन अच्छे लोगों की संगति में रहने का संदेश देते हैं, क्योंकि अच्छी संगति व्यक्ति के दोषों को दूर करती है और उसे लोहे से सोने में बदल देती है। ये भजन मानवता और आध्यात्मिक प्रेम का संदेश देते हैं। केवल अच्छी संगति ही अज्ञान से ज्ञान की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा पूर्वाग्रह से निष्पक्षता की ओर ले जाती है। अच्छी संगति में रहने से व्यक्ति के मन की भटकन, मैल और अहंकार दूर हो जाते हैं तथा मन स्थिर हो जाता है। इसलिए, व्यक्ति को अच्छी संगति अपनानी चाहिए और उसमें रहना चाहिए। उनकी बाणी मनुष्य को झूठे दिखावों, वहमों-भ्रमोंधमंत्रों और तंत्रों से दूर रहने की चेतावनी देती है तथा एक ऐसे समाज की स्थापना का लक्ष्य रखती है, जहां मनुष्य को कोई पीड़ा, दुख और चिंता न हो, कोई कर न देना पड़े और प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार हो। तभी वह अपनी बाणी में लिखते हैं कि बेगम पुरा शहर को नाओ, दुख अंदोह नहीं तिही ठाओ। इसी प्रकार, गुरु जी के समकालीन श्री गुरु नानक देव जी ने भी अपनी बाणी में एक पिता एकस के हम बारिक का संदेश दिया और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी अकाल पुरख की महिमा में मानवता के कल्याण के लिए यह अंकित किया कि मानस की जात सभै एकै पहिचानबो। ऐसी सब महत्वपूर्ण जानकारियों के बावजूद, अगर हम वर्तमान समय में जागरूकता की बात करें, तो हम गुरुपर्व तो मनाने में सक्षम हो गए हैं लेकिन गुरु जी की शिक्षाओं का पालन करने में अभी भी असमर्थ हैं। हम उस अंधकार को समझने में असमर्थ हैं, जिससे उनकी धार्मिक यात्राओं, दर्शन और बाणी ने हमें बाहर निकाला था। दुख की बात है कि बड़े-बड़े पोस्टरों, जयकारों और नारों की गूंज हमारे मन को ऊपर नहीं उठा सकी। हमारा मन अब भी भटक रहा है। हम प्रभातफेरियों, नगर कीर्तनों और शोभायात्राओं में आसानी से शामिल हो जाते हैं लेकिन सत्य की खोज करने और श्री गुरु रविदास जी द्वारा अपनी बाणी के माध्यम से दिखाए गए मार्ग पर चलने में अब भी असहज महसूस करते हैं। आइए इस गुरुपर्व पर यह प्रतिज्ञा करें कि हम इसे मेले की तरह नहीं मनाएंगे, बल्कि उनके सच्चे दर्शन को अपने जीवन में अपनाकर एक ईमानदार और ईर्ष्यामुक्त समाज का निर्माण करेंगे। मुफ्त की वस्तुओं को अपनाने की बजाय, आइए हम स्वयं को और अपने बच्चों को यथासंभव शिक्षित करें तथा अपने हाथों से काम करके अपने परिवार, देश एवं समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

अगड़े-पिछड़े-तगड़े का झगड़ा और भारत की व्यापारिक सांझेदारियों की विडंबना

पूरन चंद सरीन

भारत का मूलमंत्र, लोकतंत्र और समानता का आधार होते हुए भी व्यवस्था की कार्यप्रणाली सोचने को मजबूर करती है कि यही सत्य है या कोई भ्रम है। उदाहरण के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जिसके पास भारत में उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी है, इस तरह के नियम बनाए, जिन पर उच्चतम न्यायालय गौर न करे तो देश में युवाओं की स्थिति यह हो जाए कि आपस में बात करने या मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने में इसलिए हिचकिचाएं कि कहीं सरकारी नियमों की अवहेलना तो नहीं कर रहे। यह डर पैदा करता है और खतरनाक है। भ्रम, असुरक्षा और दिशाहीनता रू हो यह रहा है कि अस्पष्ट नियमों, बार-बार बदलते फैसलों और बिना सिर-पैर के सुधार करने की जिद ने विद्यार्थियों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। वे डिग्री लें तो किस विषय में, क्या उसके अनुरूप नौकरी मिल पाएगी या स्वरोजगार कर पाएंगे और जो परिस्थिति आज है, क्या वह कल किसी आधे-अधूरे नियम के लागू होने से बदल तो नहीं जाएगी और यदि ऐसा हुआ तो उसका अब तक का किया-धरा व्यर्थ ही हो जाएगा। अजीब विरोधाभास है, एक ओर आरक्षित, जिसे पिछड़ा माना जाता है तथा जनरल कैटेगरी, जिसे तगड़ा या समर्थ कहा जाता है, के बीच द्वेष उत्पन्न करना और दूसरी ओर भारत का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता तय

करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक समझौते करना। प्रश्न यह है कि क्या यह किन्हीं खास व्यक्तियों, उनके व्यापार और उद्योग समूहों के लाभ को ध्यान में रखकर तो नहीं किया जा रहा, क्योंकि जब युवाओं में एक-दूसरे के प्रति ऊंच-नीच का भाव होगा, तब ही यह संभव हो सकेगा। जहां तक यूरोपीय तथा भारत के साथ व्यापार करने के इच्छुक दूसरे देशों की बात है, तो हकीकत यह है कि वे हमें केवल अपना सप्लायर बनाकर रखना चाहते हैं न कि बराबरी का रिश्ता यानी निर्णायक भूमिका अदा करने वाला। वे भारत को एक बड़े बाजार की तरह देखते हैं, जहां वे अपनी अनुपयोगी वस्तुओं, उपकरणों और पुरानी टैक्नोलॉजी को बेच कर मुनाफा कमा सकें और हमें सशक्त बनाने के भ्रम में रख सकें। ये सब चाहते हैं कि भारत में उत्पादन हो लेकिन दाम वे तय करें। सस्ता श्रम होने और हमें प्रशिक्षित करने के बहाने वे हमारी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में रोड़े अटकाने का काम यह कहकर करते हैं कि वे अपने विशेषज्ञों और कर्मचारियों से यह सब करा तो रहे हैं, हमें क्यों इस पचड़े में पडना कि स्वयं गहन रिसर्च करें, अपनी टैक्नोलॉजी विकसित करें और दूसरी परेशानियां मोल लें। उनका लक्ष्य बाजार खुलवाना है, न कि बराबरी की हैसियत बनने देना। भारत जो समझौते इन देशों से कर रहा है, यदि सतर्कता नहीं बरती गई तो भारत उनके लिए एक माल गोदाम बन जाएगा। अमरीका का रुख बदलते दिखना एक अवसर है कि भारत अपनी नीतियों और विशेषकर कूटनीति से उसे यह अहसास और अन्य देशों को विश्वास दिलाए कि हम ही बेहतर हैं। उद्योग हो या आधुनिक टैक्नोलॉजी, हम सभी स्तरों पर काम करना जानते हैं। इन सभी देशों की नीति है कि भारत को काम पर लगाए रखो, यह सोचने का अवसर न दो कि हम उनके लीडर बन सकते हैं। असली ताकत क्षमता है न कि समझौता। स्थायी लाभ की स्थिति यह है कि हमारे उत्पाद और कल-कारखाने स्वदेशी टैक्नोलॉजी से उत्पादन करें और अपनी गुणवत्ता का लोहा मनवाएं, इस स्थिति में ही वे हमें अपनी नवीनतम तकनीक देने को तैयार होंगे। यह भी विचारणीय है कि कहीं ये देश इन समझौतों से हमें अपने लिए चीन का विकल्प बनाने की नीति पर तो नहीं चल रहे? सम्भव है कि ये पश्चिमी देशों के तरह-तरह के टैक्स, जैसे ग्रीन टैक्स, कार्बन टैक्स, खेतीबाड़ी और कृषि उत्पाद के लिए ऐसे सख्त स्टैण्डर्ड, जो हमारे लिए फायदेमंद न हों, यही नहीं, वीजा सीमा और टैक्नोलॉजी ट्रांसफर में आनाकानी, यह सब हम पर थोपने लगें। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर जनता का जागरूक रहना आवश्यक है, वरना ये राजनीतिज्ञ अपनी वाहवाही के लिए कुछ भी कर सकते हैं। संशय होता है कि यू.जी.सी. वैश्विक प्रभावों में तो आकर यह सब नहीं कर रहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी हो कि युवाओं को डिग्री तो मिले, लेकिन ग्लोबल स्किल नहीं। उनके यहां हमारे योग्य युवा शानदार वेतन और सुविधाओं वाली नौकरी तो करें लेकिन भारत में रहकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन न कर पाएं।

परिपक्व उम्र में ही हो सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति-सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा। वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता-पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

गैंगस्टर रवि काना की रिहाई पर बड़ा एक्शन, बांद जेलर सस्पेंड, विभागीय कार्रवाई शुरू

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कारागार विभाग ने वारंट बी पर तलब विचाराधीन कैदी को रिहा करने के आरोप में बांदा के जिला कारागार के कारापाल (जेलर) को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं के महानिदेशक पी.सी. मीणा ने शुक्रवार को बांदा जिला जेल के कारापाल विक्रम सिंह यादव के निलंबन का आदेश जारी किया जिसमें कहा गया कि निलंबन अवधि के दौरान यादव को डॉ. संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान, उत्तर प्रदेश से संबद्ध रखा जाएगा। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के आरोपी रविंद्र सिंह उर्फ रवि नागर उर्फ रवि काना को वारंट-बी (मजिस्ट्रेट या न्यायाधीश द्वारा जेल में बंद आरोपी को किसी अन्य मामले में अदालत में पेश करने का आदेश) के तहत तलब किए जाने के बावजूद रिहा किए जाने के आरोप में की गई है। उत्तर प्रदेश जेल प्रशासन एवं सुधार सेवा मुख्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बांदा जिला जेल में बंद विचाराधीन कैदी रवि काना को 29 जनवरी को रिहा कर दिया गया, जबकि जेल अधिकारियों को जानकारी थी कि उसे वारंट-बी पर तलब किया गया है।

ब्लड शुगर घटना या बढ़ना दोनों खतरनाक, ऐसे लक्षण दिखते हैं तुरंत हो जाएं सतर्क

अक्सर ऐसा होता है कि जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या होती है उन्हें हाई ब्लड शुगर होती है, तो वो शुगर लेवल कम करने के लिए कई उपाय करते हैं। मगर ध्यान देने वाली बात यह है कि ब्लड शुगर का सामान्य से कम होना भी जोखिम भरा हो सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। शरीर में ब्लड शुगर का लेवल एक तराजू की तरह होता है, जिसका संतुलन बिगड़ते ही सेहत पर बुरा असर पड़ने लगता है। अक्सर लोग सिर्फ 'हाई ब्लड शुगर' यानी डायबिटीज की ही बात करते हैं, लेकिन शुगर का लेवल सामान्य से कम होना (लो ब्लड शुगर) भी उतना ही जोखिम भरा हो सकता है। जब हमारे शरीर में इंसुलिन और ग्लूकोज का तालमेल बिगड़ता है, तो शरीर के अंगों को सही ऊर्जा नहीं मिल पाती। हाई शुगर धीरे-धीरे हमारे दिल, गुर्दे और आंखों को नुकसान पहुंचाती है, जबकि लो शुगर की स्थिति में इंसान अचानक बेहोश हो सकता है या उसे दौरा पड़ सकता है। एक हेल्दी व्यक्ति के लिए फास्टिंग शुगर 70 से 100ॅ/छि के बीच होनी चाहिए। इसे ऐसे समझें कि शुगर बढ़ना दबे पांव शरीर के अंगों को धीरे-धीरे प्रभावित करती है, जबकि शुगर का गिरना एक अचानक आने वाले तूफान की तरह है। इसलिए दोनों ही स्थितियों के लक्षणों को पहचानना और समय पर इलाज करना बहुत जरूरी होता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

लो ब्लड शुगर को कैसे पहचानें?

जब शुगर का स्तर 70ॅ/छि से नीचे चला जाता है, तो दिमाग को ऊर्जा मिलनी बंद हो जाती है। इसके मुख्य लक्षणों में अचानक बहुत तेज भूख लगना, हाथ-पांव का कांपना, अत्यधिक पसीना आना और घबराहट होना शामिल है। अगर आपको अचानक चक्कर आने लगें या धुंधला दिखाई दे, तो तुरंत कुछ मीठा (जैसे गुड़ या चीनी) खाएं और डॉक्टर से संपर्क करें। इसे नजरअंदाज करने पर व्यक्ति कोमा में भी जा सकता है।

हाई ब्लड शुगर के चेतावनी संकेत

शुगर बढ़ने पर शरीर अतिरिक्त ग्लूकोज को बाहर निकालने की कोशिश करता है। इसके लक्षणों में बार-बार पेशाब आना, बहुत ज्यादा प्यास लगना, घाव का देरी से भरना और थकान महसूस होना शामिल है। अगर बिना किसी कारण के आपका वजन घट रहा है या त्वचा पर खुजली और संक्रमण हो रहा है, तो यह हाई शुगर का इशारा हो सकता है। इसे लंबे समय तक नजरअंदाज करना अंगों को स्थायी रूप से डैमेज कर सकता है।

किन गलतियों से बिगड़ता है शुगर का संतुलन?

शुगर लेवल बिगड़ने के पीछे मुख्य कारण गलत खान-पान और दवाओं का सही समय पर न लेना है। बहुत ज्यादा मीठा या मैदा खाना शुगर को तेजी से बढ़ाता है, वहीं खाना छोड़ देना या भारी एक्सरसाइज के बाद कुछ न खाना शुगर को अचानक गिरा सकता है। तनाव और अधूरी नींद भी शरीर के हार्मोन्स को बिगाड़ देती है, जिससे शुगर लेवल को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है।

संतुलित जीवनशैली ही है सबसे बड़ा बचाव

देखा जाए तो ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखना काफी सरल है, बस थोड़ी सी सावधानी की जरूरत है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो घर पर ग्लूकोमीटर रखें और समय-समय पर जांच करते रहें। फाइबर युक्त भोजन लें, नियमित टहलें और पर्याप्त पानी पिएं। ध्यान रखें आपका शरीर आपको हर छोटी समस्या का संकेत देता है, बस जरूरत है उन संकेतों को समझने और समय पर डॉक्टर से मिलने की। आपकी छोटी सी जागरूकता आपको बड़ी बीमारियों से बचा सकती है।

एआई ने बताई दवा, शरीर में हो गया खतरनाक रिएक्शन! जानिए बिना प्रस्क्रिप्शन दवाएं लेना कितना खतरनाक

दिल्ली का एक व्यक्ति मेडिकल सुपरविजन के बिना एआई चैटबॉट की सलाह पर दवा लेने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी दवा न लेने की सलाह देते रहे हैं। क्या आप भी अक्सर मोबाइल से देखकर या एआई चैटबॉट से पूछकर दवा लेते हैं? अगर हां तो सावधान हो जाइए, ये आदत न सिर्फ गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है बल्कि कुछ स्थितियों में जानलेवा तक भी हो सकती है। एक ऐसा ही मामला दिल्ली से सामने

आया है जहां 45 साल के एक व्यक्ति ने एआई चैटबॉट से सलाह लेने के बाद बिना प्रिस्क्रिप्शन के एचआईवी पोस्ट-एक्सपोजर दवा ले ली। इस दवा का उसे गंभीर रिएक्शन हो गया और व्यक्ति को आईसीयू में भर्ती करना पड़ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक व्यक्ति को डॉ. राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक दवाओं के रिएक्शन के कारण उसे स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम नाम की समस्या हो गई है, जो जानलेवा ड्रग रिएक्शन है। इलाज कर रहे डॉक्टरों के अनुसार, बिना किसी क्लिनिकल जांच या फॉलो-अप के त्न्क्ष पोस्ट-एक्सपोजर दवाओं का कोर्स लेने के बाद व्यक्ति को गंभीर रिएक्शन हो गया है। मरीज का हालत गंभीर बनी हुई है।

बिना प्रिस्क्रिप्शन एआई की सलाह पर दवा लेना पड़ा भारी

डॉक्टर्स की टीम इस बात को लेकर भी हैरान है कि बिना प्रिस्क्रिप्शन के मरीज को ये दवाएं मेडिकल स्टोर से मिल गईं। इस तरह की दवाएं अब रूटीन में प्रिस्क्राइब भी नहीं की जाती हैं। डॉक्टर ने कहा, द्यमरीज ने जो दवाएं ली हैं, वे अब डॉक्टर नहीं दे रहे हैं क्योंकि इलाज के प्रोटोकॉल बदल गए हैं। नेशनल गाइडलाइंस के तहत, एचआईवी पोस्ट-एक्सपोजर दवाओं की खास मॉनिटरिंग की जाती है, इसे कई तरह के फॉलो-अप और विशेष जरूरत की स्थिति में ही दिया जाना चाहिए। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि एंटीरेट्रोवायरल दवाओं का बिना देखरेख के इस्तेमाल जानलेवा रिएक्शन, अंगों के फेलियर और क्रॉनिक जटिलताओं को ट्रिगर कर सकता है। लोगों की मेडिकल सलाह के लिए मोबाइल और एआई पर निर्भरता गंभीर समस्याओं का कारण भी बन सकती है, जोकि इस मामले में देखा गया है।

एक महीने तक सोने से पहले कर लें ये तीन काम, जड़ से दूर होगी नींद से जुड़ी परेशानी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोगों को नींद की समस्या रहती है। कई लोग इससे छुटकारा पाने के लिए तरह तरह के उपाय भी अपनाते हैं, मगर भी उन्हें स्लीप साइकिल खराब रहने की शिकायत रहती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल स्क्रीन के बढ़ते प्रभाव ने हमारी प्राकृतिक नींद के चक्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। अनिद्रा और रात भर करवटें बदलना अब एक सामान्य समस्या बन चुकी है, जो न केवल मानसिक तनाव पैदा करती है बल्कि हृदय रोग और मोटापे जैसी बीमारियों का कारण भी बनती है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि दवाओं के बजाय 'स्लीप हाइजीन' में बदलाव करना नींद की समस्याओं को जड़ से खत्म करने का सबसे प्रभावी तरीका है। हमारा मस्तिष्क नींद के लिए 'मेलाटोनिन' हार्मोन पर निर्भर करता है, जिसका स्राव अंधेरे और शांति में सबसे अधिक होता है। अगर आप लगातार एक महीने तक सोने से पहले अपनी दिनचर्या में तीन विशिष्ट बदलाव करते हैं, तो आप न केवल जल्दी सो पाएंगे, बल्कि गहरी और गुणवत्तापूर्ण नींद का अनुभव भी करेंगे। यह एक महीने का 'स्लीप चैलेंज' आपके मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को पूरी तरह बदल सकता है।

डिजिटल डिटॉक्स और 'ब्लू लाइट' से दूरी

सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, लैपटॉप और टीवी बंद कर दें। इन स्क्रीन्स से निकलने वाली नीली रोशनी मस्तिष्क को भ्रमित करती है कि अभी दिन है, जिससे मेलाटोनिन का उत्पादन रुक जाता है। इसकी जगह कोई भौतिक किताब पढ़ें या हल्का संगीत सुनें। यह छोटा सा बदलाव आपके मस्तिष्क को 'रिलैक्सेशन मोड' में लाने के लिए अनिवार्य है।

तलवों की मालिश और गुनगुने पानी का जादू

रात को सोने से पहले अपने पैरों को गुनगुने पानी से धोएं और सरसों के तेल या नारियल तेल से तलवों की मालिश करें। आयुर्वेद के अनुसार, तलवों की मालिश करने से नसों को शांति मिलती है और शरीर का तापमान संतुलित होता है। यह प्रक्रिया रक्त संचार को सुधारती है और 'कोर्टिसोल' (तनाव हार्मोन) के स्तर को कम करती है, जिससे शरीर तुरंत गहरी नींद के लिए तैयार हो जाता है।

बिस्तर पर लेटने के बाद गहरी सांस लेने की प्रक्रिया आपके नर्वस सिस्टम को शांत करती है। 4 सेकंड तक नाक से सांस लें, 7 सेकंड तक रोकें और 8 सेकंड तक धीरे-धीरे मुंह से बाहर निकालें। यह तकनीक एक 'नेचुरल ट्रैंक्विलाइजर' की तरह काम करती है। एक महीने तक इसका नियमित अभ्यास आपके दिमाग के 'रेस थॉट्स' (भागते हुए विचार) को रोककर आपको शांति प्रदान करेगा।

इन बातों का ध्यान रखें

नींद की समस्या रातों-रात खत्म नहीं होती, लेकिन अनुशासन से इसे ठीक किया जा सकता है। यह खबर हमें सिखाती है कि हमारी रात की आदतें ही हमारे अगले दिन की ऊर्जा तय करती हैं। इन तीन कामों को एक महीने तक बिना रुके करें और आप पाएंगे कि आपकी एकाग्रता और खुशी का लेवल बढ़ गया है।

बिना माली ऐसे उगाएं गुलाब, हर टहनी पर खिलेंगे फूल

घर पर गुलाब का पौधा उगाना और गमले में फूलों को गुलजार करना आसान है। बस गुलाब का पौधा लगाने के लिए देसी तरीका अपनाएं। यहां गमले में गुलाब खिलाने के लिए कुछ गार्डनिंग टिप्स बताए जा रहे हैं। वैलेंटाइन सप्ताह का पहला दिन रोज डे होता है। इस दिन लोग अपने प्रिय को गुलाब देते हैं। 7 जनवरी को रोज डे मनाया जाता है। एक गुलाब का फूल कई भावनाओं की अभिव्यक्ति करता है, सिर्फ फूल के रंग के आधार पर। गुलाब के महत्व को समझते हुए ही बाजारों में फूल का दाम भी अधिक होता है, खासकर वैलेंटाइन सप्ताह में दाम बढ़ जाता है। लेकिन अगर आप घर पर ही गुलाब का पौधा लगा लें तो सिर्फ वैलेंटाइन डे ही नहीं, किसी भी मौके पर अपने प्रिय को गुलाब दे सकते हैं। लोगों का मानना है कि गुलाब उगाने के लिए माली चाहिए, खास मिट्टी चाहिए और महंगे खाद-दवाइयों की जरूरत पड़ती है। सच यह है कि गुलाब उतना नखरीला नहीं जितना हम मान लेते हैं। कुछ देसी तरीके हैं जिन्हें अपनाकर बिना माली भी

आपका गमला गुलाबों से भर सकता है। गुलाब मेहनत नहीं, नियम मांगता है। अगर आप समय पर धूप, सीमित पानी और देसी खाद देते हैं तो बिना माली भी आपका गमला फूलों से भर उठेगा। यहां गुलाब उगाने का तरीका दिया जा रहा है, जो आम घरों, छत या बालकनी पर गुलाब का पौधा लगाने, फूल खिलाने के लिए बिल्कुल मुफीद है।

बिना माली घर पर गुलाब का पौधा लगाने का सही तरीका

सही पौधा चुनना सबसे पहला नियम

नर्सरी से कलमी गुलाब या पहले से तैयार पौधा लें।

बीज से गुलाब उगाना समय और धैर्य दोनों की परीक्षा लेता है।

देसी, मिनी या सदाबहार किस्में घर के लिए बेहतर रहती हैं।

गमला ऐसा हो कि जड़ें सांस ले सकें

गुलाब को गहरा गमला चाहिए, कम से कम 10झ्12 इंच।

नीचे छेद जरूरी है, वरना पानी रुकेगा और जड़ें सड़ेंगी।

सीमेंट या मिट्टी का गमला सबसे बेहतर माना जाता है।

मिट्टी का देसी नुस्खा

महंगी पॉटिंग मिक्स भूल जाइए। यह मिश्रण अपनाइए,

40% बगीचे की सामान्य मिट्टी

30% गोबर की सड़ी खाद या वर्मी कम्पोस्ट

20% नदी की रेत

10% नीम खली, जिससे कीड़े नहीं लगेंगे।

रोपाई का सही तरीका

गमले में पहले कंकड़ या टूटी ईंट डालें

फिर मिट्टी भरें

पौधे को सीधा रखें, जड़ें न मोड़ें

हल्का दबाकर पानी दें

रोपाई के बाद 2-3 दिन सीधी धूप न दें।

धूप और हवा, गुलाब की असली जरूरत

गुलाब को रोज कम से कम 5-6 घंटे धूप चाहिए।

बालकनी, छत या खिड़की के पास खुली जगह सबसे सही है।

पानी देने का नियम याद रखिए

रोज नहीं, जरूरत के हिसाब से पानी दें

ऊपर की मिट्टी सूखी लगे तभी पानी दें

पत्तियों पर पानी डालने से बचें

ज्यादा पानी गुलाब का सबसे बड़ा दुश्मन है।

फूल लाने के लिए देसी खाद

हर 15 दिन में,

सरसों की खली भिगोकर पानी दें या

छाछ और पानी (1:5 अनुपात)

केले के छिलके की खाद

इससे कलियां ज्यादा आएंगी और फूल बड़े होंगे।

छंटाई से मत डरिए

फूल मुरझाएं तो तुरंत काट दें।

सर्दियों के अंत में हल्की छंटाई जरूरी है।

यहीं से नई टहनियां और ढेर सारे फूल आते हैं।

कीड़े-बीमारी से देसी सुरक्षा

नीम तेल और पानी के मिश्रण को हफ्ते में 1 बार स्प्रे करें।

साबुन का हल्का घोल एफिड्स के लिए स्प्रे करें

क्योंकि केमिकल स्प्रे से गुलाब की जान जाती है, फूल नहीं बढ़ते।

सफेद नहीं, पीला डैंड्रफ दिखे तो हो सकता है ये गंभीर रोग, जरूर कराएं ये टेस्ट

अगर आप भी सिर में लगातार होने वाली खुजली और सफेद पपड़ी को सामान्य डैंड्रफ समझकर सिर्फ एंटी-डैंड्रफ शैंपू का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। मेडिकल साइंस के मुताबिक, लंबे समय तक बना रहने वाला या बार-बार लौटने वाला डैंड्रफ कभी-कभी

एचआईवी संक्रमण का शुरूआती संकेत भी हो सकता है। हालांकि, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि हर डैंड्रफ एचआईवी का लक्षण होता है, लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इसे नजरअंदाज करना खतरे से खाली नहीं है।

एचआईवी को लेकर गलतफहमियां क्यों हैं?

एचआईवी जैसी बीमारी का नाम सुनते ही लोग असहज हो जाते हैं। कई लोग इसे सामाजिक कलंक या पाप से जोड़कर देखते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि एचआईवी भी अन्य बीमारियों की तरह एक मेडिकल कंडीशन है, जिसका समय पर पता चलने पर इलाज संभव है। क्या आप जानते हैं कि सिर में होने वाला डैंड्रफ कभी-कभी एचआईवी की पहचान में मदद कर सकता है? मेडिकल भाषा में इसे सेबोरिक डमेर्टाइटिस कहा जाता है, जो एचआईवी संक्रमित लोगों में ज्यादा गंभीर रूप में देखा जाता है।

कैसे हुआ एचआईवी का पता

डॉक्टर ने बताया कि उनकी ओपीडी में एक मरीज आया, जिसे लंबे समय से सिर में अत्यधिक डैंड्रफ की समस्या थी। शुरूआत में सामान्य दवाएं दी गईं, लेकिन आराम न मिलने पर जब विस्तृत जांच कराई गई, तो वह मरीज एचआईवी पॉजिटिव पाया गया।

डैंड्रफ और एचआईवी का क्या संबंध है?

एचआईवी वायरस हमारे शरीर की इम्यून सिस्टम (सीडी4 सेल्स) पर हमला करता है। जब इम्युनिटी कमजोर हो जाती है, तो शरीर डंसेंम्रपं नाम के फंगस से लड़ने में असमर्थ हो जाता है। यही फंगस सेबोरिक डमेर्टाइटिस यानी गंभीर डैंड्रफ का कारण बनता है।

ध्यान रखेंरू डैंड्रफ एचआईवी पैदा नहीं करता, बल्कि एचआईवी के कारण डैंड्रफ गंभीर रूप ले सकता है।

कौन-सा डैंड्रफ हो सकता है गंभीर?

अगर आपको नीचे दिए गए लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

एंटी-डैंड्रफ इलाज के बाद भी बार-बार डैंड्रफ लौट आना

सिर के साथ-साथ भौहों, नाक के किनारों और कानों के पीछे भी पपड़ी जमना

खोपड़ी का अत्यधिक लाल होना, जलन या दर्द

सफेद पपड़ी की जगह मोटी पीली परत बनना।

विशेषज्ञ क्या कहते हैं?

सामान्य स्वस्थ लोगों में सेबोरिक डमेर्टाइटिस 3-5ः तक पाया जाता है।

जबकि एचआईवी पॉजिटिव लोगों में यह 85-90ः तक देखा गया है।

इसलिए यदि डैंड्रफ लंबे समय तक ठीक नहीं हो रहा है, तो एचआईवी टेस्ट करवाने में हिचकिचाएं नहीं।

हालांकि यह भी सच है कि हर डैंड्रफ एचआईवी का संकेत नहीं होता।

यह फंगल इंफेक्शन, हार्मोनल बदलाव या तनाव की वजह से भी हो सकता है।

सिर की खुजली और डैंड्रफ को हल्के में न लें। समय पर जांच और सही जानकारी न सिर्फ बीमारी को नियंत्रित कर सकती है, बल्कि आपकी और आपके परिवार की सेहत भी सुरक्षित रख सकती है।

रोज काजल लगाती हैं तो हो जाएं सावधान, आंखों पर पड़ सकता है बुरा असर

आंखें चेहरे का सबसे आकर्षक हिस्सा होती हैं। आंखों को और खूबसूरत दिखाने के लिए ज्यादातर महिलाएं कम उम्र से ही काजल लगाना शुरू कर देती हैं। कपकाजल को महिलाओं के श्रृंगार का अहम हिस्सा माना जाता है, जिससे आंखें बड़ी और गहरी नजर आती हैं।

रोजाना काजल लगाना क्यों हो सकता है नुकसानदायक

रोज काजल लगाने की आदत तब नुकसान पहुंचा सकती है, जब काजल सही तरीके से न लगाया जाए या उसकी गुणवत्ता ठीक न हो।

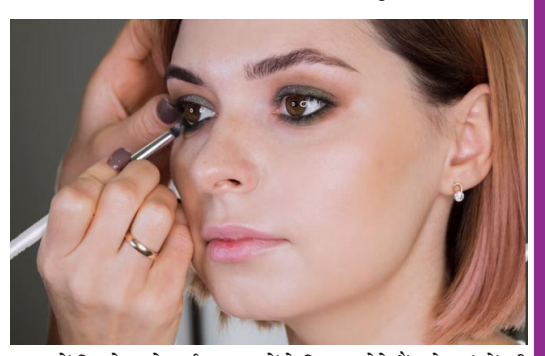

बाजार में मिलने वाले कई काजल में केमिकल होते हैं, जो आंखों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

घटिया ब्रांड का काजल लगाने के नुकसान

आंखों में संक्रमण का खतरा

अगर आप बार-बार काजल का इस्तेमाल करती हैं, तो आंखों में इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। काजल में मौजूद बैक्टीरिया आंखों में जलन, खुजली, पानी आना और लालिमा जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

काजल से हो सकती है आंखों में एलर्जी

बहुत से काजल में ऐसे रसायन होते हैं, जो आंखों में एलर्जी का कारण बनते हैं। इससे आंखों में सूजन, जलन और खुजली हो सकती है। संवेदनशील त्वचा और आंखों वाले लोगों को खास सावधानी बरतनी चाहिए।

आंसू की नलियां हो सकती हैं बंद

रोजाना काजल लगाने से आंसू की नलियां बंद हो सकती हैं। इससे आंखों में दर्द, सूजन और भारीपन महसूस हो सकता है। कई बार काजल आंखों के अंदर चला जाता है, जिससे आंखों की नमी प्रभावित होती है।

नजर कमजोर और धुंधली दिखने की समस्या

अगर काजल ज्यादा मात्रा में या लंबे समय तक लगा रहे, तो इससे आंखों में असहजता और धुंधला दिखने जैसी परेशानी हो सकती है। इससे आंखों की प्राकृतिक नमी भी प्रभावित होती है।

पीएम सूर्य घर योजना में यूपी की मजबूत भागीदारी, 10.94 लाख से अधिक आवेदन

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार की प्रमुख योजना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय पोर्टल के अनुसार देशभर में अब तक 58.36 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि अकेले उत्तर प्रदेश में 10.94 लाख से अधिक आवेदन दर्ज किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा प्रदेश में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।योगी सरकार की सक्रिय नीति और यूपीनेडा व वितरण कंपनियों के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में अब तक 3,57,879 रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। इससे उत्तर प्रदेश की कुल स्थापित सौर क्षमता 1,227.05 मेगावाट तक पहुंच गई है। योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को अब तक 2,440.62 करोड़ की केंद्रीय सब्सिडी और लगभग 600 करोड़ रुपए की राज्य सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है।पीएम सूर्य घर योजना के तहत लगाए गए रूफटॉप सोलर सिस्टम से उपभोक्ताओं के बिजली बिल में 60 से 90 प्रतिशत तक की कमी आई है।

तिलक वर्मा ने शुरू की टी20 विश्व कप की तैयारी, नेट्स पर बल्लेबाजी करते हुए आए नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व कप से पहले राहत की खबर है। टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा फिटनेस हासिल करने के करीब हैं और उन्होंने नेट्स पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी अभ्यास शुरू कर दिया है। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने सात फरवरी से होने वाले टी20 विश्व कप के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। तिलक के पेट की सर्जरी हुई थी जिससे उनके टी20 विश्व कप में खेलने पर संशय पैदा हो गया था। लेकिन अब वह पूरी तरह से फिटनेस हासिल करने के करीब हैं। उन्होंने बंगलूरू स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मैच सिमुलेशन में हिस्सा लिया। तिलक ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वह अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। तिलक भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं और टी20 विश्व कप में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। तिलक का चोट के बाद वापसी करना भारत के लिए राहत भरी खबर है। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले तिलक टी20 में भारत के लिए तीसरे नंबर पर उतरते हैं। तिलक की अनुपस्थिति में ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में इस स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर रहे हैं। ईशान ने भी इस स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं हो पाए शामिल तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया था क्योंकि वह पूरी तरह फिट नहीं थे। तिलक को पहले शुरूआती तीन मैचों से बाहर रखा और फिर बीसीसीआई ने बताया कि वह शेष दो मैचों में भी उपलब्ध नहीं रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तिलक ने शुक्रवार को मैच सिमुलेशन में हिस्सा लिया जिसके बाद उन्हें जल्द फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने की संभावना है। तिलक की वापसी पर कैसा होगा संयोजन? तिलक की वापसी के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम प्रबंधन तिलक और ईशान दोनों को प्लेइंग-11 में किस तरह फिट बैठा पाता है। तिलक ने भारत के लिए आखिरी मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में 19 दिसंबर 2025 को खेला था। उन्होंने 42 गेंदों पर 73 रन बनाए थे। माना जा रहा है कि तिलक को जल्द ही फिटनेस सर्टिफिकेट मिल जाएगा और वह रिहैब पूरा करने के बाद तीन फरवरी तक टी20 विश्व कप के लिए घोषित भारतीय टीम से जुड़ जाएंगे। तिलक का टी20 अंतरराष्ट्रीय में रिकॉर्ड तिलक ने तीन अगस्त 2023 को तारौबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। तब से वह 40 मैच खेल चुके हैं और उनके नाम 1183 रन हैं। उन्होंने नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो शतक बनाए और छह अर्धशतक भी जड़े हैं। तिलक नियमित रूप से भारत के लिए गेंदबाजी नहीं करते हैं और उन्होंने अब तक तीन विकेट लिए हैं।

अनाहत वाशिंगटन स्क्वाश ऑन फायर के सेमीफाइनल में, पुरुष वर्ग में चोटरानी को मिली हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की उभरती हुई महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्क्वाश ऑन फायर ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। युवा भारतीय स्टार अनाहत सिंह ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए

वाशिंगटन में स्क्वाश ऑन फायर ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में मिस्र की दूसरी वरीय सना इब्राहिम को हराया। भारत की दुनिया की 31वें नंबर की खिलाड़ी और सातवीं वरीय अनाहत ने तीसरे और चौथे गेम में 5-6 से पिछड़ने के बाद मुकाबले में वापसी की और पीएसए कांस्य स्तर प्रतियोगिता में मिस्र की दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी को 8-11, 8-11, 11-7, 11-8, 11-7 से हराया। अनाहत का सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की सबरीना सोभी से होगा। वहीं, वीर चोटरानी पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के छठे वरीय डेक्लान जेम्स से हार गए। जेम्स ने चोटरानी को 8-11, 11-6, 14-12, 11-9 से हराया।

पाकिस्तान से मैच के पहले सचिन ने भारतीय अंडर-19 टीम से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की अंडर-19 टीमों के बीच रविवार को विश्व कप का मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले ही सचिन तेंदुलकर वर्चुअली टीम के सदस्यों के साथ बातचीत की है। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा ले रही भारतीय टीम के खिलाड़ियों से पाकिस्तान के खिलाफ अहम सुपर सिक्स मुकाबले से पहले वर्चुअल बातचीत की। इंग्लैंड ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। इसके बाद रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सुपर सिक्स ग्रुप बी से नॉकआउट चरण में सिर्फ एक ही टीम जगह बना पाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर वर्चुअल मुलाकात की तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, यह अनुभव बेहद महत्वपूर्ण रहा जिसमें अगली पीढ़ी को लगातार बदलते खेल में सफलता और लंबे करियर के लिए अहम जानकारियां और दृष्टिकोण मिला। महज तकनीकी कौशल और फिट रहने तक सीमित नहीं थी बल्कि इसमें एकाग्रता बनाए रखने, अनुशासन, विनम्रता और सफलता के बावजूद जमीन से जुड़े रहने के महत्व पर भी जोर दिया गया। अजेय चल रही है भारतीय टीम भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप में रविवार को मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय अंडर-19 टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है। उसने अब तक अमेरिका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे को हराया है। भारत को अगर सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित करनी है तो उसे चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराना होगा। सचिन के नाम सबसे ज्यादा विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम 1992 से 2011 के बीच सबसे अधिक आईसीसी क्रिकेट विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने इनमें 45 मैच में 2,278 रन बनाकर सर्वाधिक कुल रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह छह विश्व कप टूर्नामेंट खेलने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं और उन्होंने 2011 का विश्व कप जीतकर अपने शानदार करियर का समापन किया।

ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप से पहले लगा बड़ा झटका, कमिंस बाहर हुए; कंगारू टीम ने किए दो बदलाव

सिडनी (एजेंसी)। टी20 विश्व कप की शुरूआत से पहले ही ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव करने पड़े हैं क्योंकि पैट कमिंस और मैथ्यू शॉर्ट विश्व कप से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले ही बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए हैं। कमिंस के अलावा शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी टीम से बाहर हो गए हैं। इन दोनों की जगह टीम में तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को जगह दी गई है। चोट से नहीं उबर सके कमिंस कमिंस लंबे समय से चोट से जूझ रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट सीरीज के ज्यादातर मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। माना जा रहा था कि वह टी20 विश्व कप से मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन टूर्नामेंट को शुरू होने में अब सात दिन का समय शेष है, ऐसे में कमिंस समय से पूरी तरह ठीक नहीं हो सके। अंततः क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उन्हें बाहर करने का फैसला लेना पड़ा। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के अहम सदस्य हैं और उनका नहीं होना कंगारू टीम के लिए बड़ा झटका है। हेजलवुड ने पास किया फिटनेस टेस्ट जोश हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस की तिकड़ी ने टी20 विश्व कप के लिए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। एशेज से पहले हैमस्ट्रिंग चोट लगने के बाद से हेजलवुड नहीं खेले हैं। वहीं, डेविड चोट के कारण बिग बैश लीग और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके। एलिस भी इस वजह से बिग बैश लीग के फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर रहे। ग्रुप बी में शामिल है ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा ले रही है। टी20 विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से हो रही है और इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में शामिल है जिसमें ओमान, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और श्रीलंका भी मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ कोलंबो में होने वाले मैच से करेगी।

भारत के पांच शहर करेंगे विश्व कप के मैचों की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत टी20 विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार है। इस वैश्विक टूर्नामेंट के मुकाबले भारत के पांच शहरों में होंगे। इन शहरों में कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और चेन्नई शामिल है। टी20 विश्व कप 2026 का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है। सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम विश्व कप में खिताब का बचाव करने उतरेगी। भारत ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। भारत अगर ऐसा करने में सफल रहा तो वह पहला देश होगा जो तीसरी बार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम करेगा। पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद दो टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, स्कॉटलैंड (बांग्लादेश की जगह), इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आठ स्थलों पर होंगे विश्व कप के मैच टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा। आइए जानते हैं भारत में होने वाले स्टेडियमों के बारे में... दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम अरुण जेटली स्टेडियम जिसे पहले फिरोज शाह कोटला स्टेडियम के नाम से जाना जाता था। ये नई दिल्ली के मध्य में स्थित है। 1883 में निर्मित इस स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच 1948-49 के सत्र में खेला गया था। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के दौरान स्टेडियम में भारी भीड़ देखी गई है। दिल्ली टी20 विश्व कप 2026 के छह मैचों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में से एक है नरेंद्र मोदी स्टेडियम अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम विश्व के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में से एक है। इस स्टेडियम में एक लाख से अधिक लोग बैठ सकते हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम कई ऐतिहासिक पलों का गवाह रहा है, जिनमें आईपीएल फाइनल, अंतरराष्ट्रीय सीरीज और वनडे विश्व कप फाइनल शामिल हैं। अहमदाबाद के इस स्टेडियम में टी20 विश्व कप का फाइनल मुकाबला भी खेला जा सकता है। हालांकि, अगर पाकिस्तान की टीम खिताबी मैच में पहुंची तो यह मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा।

भारत में किन स्थानों पर खेले जाएंगे टी20 विश्व कप के मैच

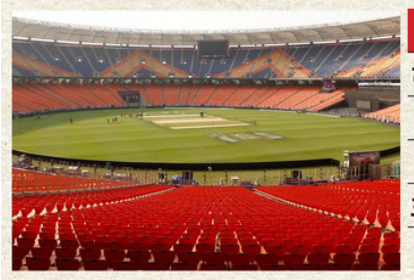

शहर	स्टेडियम
कोलकाता	ईडन गार्डंस
मुंबई	वानखेड़े स्टेडियम
चेन्नई	एमए चिदंबरम स्टेडियम
अहमदाबाद	नरेंद्र मोदी स्टेडियम
दिल्ली	अरुण जेटली स्टेडियम

45 साल की सबसे बड़ी गिरावट का असर, सीएमई ने बढ़ाया सोने-चांदी का मार्जिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीमती धातुओं में 45 साल की सबसे बड़ी गिरावट के बाद शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज (सीएमई) ग्रुप ने बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को जारी बयान में एक्सचेंज ने कॉमेक्स गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर्स पर मार्जिन बढ़ाने की घोषणा की है। यह बदलाव सोमवार की क्लोजिंग से लागू होगा। अब इतना हो जाएगा सोने और चांदी पर मार्जिन गोल्ड के लिए नॉन-हाइटेंड रिस्क प्रोफाइल का मार्जिन अब अनुबंध के मूल्य का 8 फीसदी होगा, जो पहले 6 फीसदी पर था। हाइटेंड रिस्क प्रोफाइल में यह 6.6 फीसदी से बढ़कर 8.8 फीसदी हो जाएगा। इसी तरह सिल्वर में नॉन-हाइटेंड रिस्क का मार्जिन 11 फीसदी से बढ़कर 15 फीसदी और हाइटेंड रिस्क का 12.1 फीसदी से 16.5 फीसदी हो जाएगा। प्लेटिनम और पैलेडियम फ्यूचर्स पर भी मार्जिन बढ़ाया जाएगा। रिकॉर्ड गिरावट के चलते बढ़ाया गया मार्जिन सीएमई ने कहा कि यह फैसला बाजार की वोलेटिलिटी की सामान्य समीक्षा के बाद लिया गया है, ताकि पर्याप्त कोलेटरल (सुरक्षा राशि) सुनिश्चित हो सके। हाल ही में सोना और चांदी में जबरदस्त तेजी आई थी, लेकिन पिछले दिनों में रिकॉर्ड गिरावट देखी गई। ट्रंप के फेड चेयर नॉमिनेशन और स्पेकुलेटिव बिकवाली से यह क्रैश हुआ था। शुक्रवार को आई 45 वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट वैश्विक बाजार में शुक्रवार को स्पॉट सिल्वर 28 फीसदी गिरकर 83.45 डॉलर प्रति औंस पर आया, जबकि सिल्वर फ्यूचर्स 31.4 फीसदी टूटकर 78.53 डॉलर पर बंद हुए. यह 1980 के बाद सिल्वर का सबसे बुरा दिन था। इसी तरह स्पॉट गोल्ड 9 फीसदी नीचे 4,895.22 डॉलर पर और गोल्ड फ्यूचर्स 11.4 फीसदी गिरकर 4,745.10 डॉलर पर आए। 2025 में सोना 66 फीसदी और चांदी 135 फीसदी ऊपर गई थी, लेकिन अब प्रॉफिट बुकिंग और मार्जिन कॉल्स से जबरदस्त बिकवाली हुई। मार्जिन बढ़ने से प्रभावित होंगे छोटे ट्रेडर मार्जिन बढ़ने का मतलब है कि फ्यूचर्स ट्रेड करने वाले निवेशकों को अब ज्यादा पैसे जमा करने होंगे। अगर कोई ट्रेडर पहले कम मार्जिन पर पोजीशन रख रहा था, तो अब उसे अतिरिक्त कोलेटरल डालना पड़ेगा, वरना पोजीशन बंद हो सकती है। इससे छोटे निवेशक और रिटेल ट्रेडर्स ज्यादा प्रभावित होंगे, क्योंकि उनके पास इतना अतिरिक्त कैश नहीं होता।

अब 12 लाख तक की कमाई टैक्स फ्री; एक दौर वो था जब 100 में से 97.75 रुपये ले लेती थी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। आजादी के समय देश में 1500 रुपये तक की आमदनी ही टैक्स फ्री थी। उसके बाद आयकर व्यवस्था में समय-समय पर कई बदलाव किए गए। आइए जानते हैं देश की अब तक की यात्रा में कितना बदला आयकर? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले वर्ष के बजट में कर मुक्त आय की मुक्त आय की सीमा बढ़कर 12 लाख रुपये कर दी। इससे आम लोगों को काफी राहत मिली। यह बदलाव भारतीय टैक्स व्यवस्था के इतिहास में एक मील का पत्थर है। लेकिन इस राहत के महत्व को समझने के लिए हमें इतिहास के उन पन्नों को पलटना होगा, जब ज्यादा कमाई करना मानो गुनाह था और सरकार आपकी कमाई का लगभग पूरा हिस्सा टैक्स के रूप में वसूल लेती थी। जब ?100 की कमाई पर बचते थे सिर्फ ?2.25 आज जब 12 लाख रुपये तक की आय टैक्स फ्री हो गई है, तो 1973-74 का वो दौर डरावना लगता है। उस समय भारत में आयकर की दरें अपने चरम पर थीं। 97.75% टैक्स का दौरः 1973-74 में आयकर वसूलने की अधिकतम दर 85 फीसदी कर दी गई थी। इस पर सरचार्ज मिलाकर यह दर 97.75 फीसदी तक पहुंच जाती थी। जेब हुई खालीः इसका मतलब यह था कि एक निश्चित सीमा (2 लाख रुपये) से ऊपर, हर 100 रुपये की कमाई में से 97.75 रुपये सरकार रख लेती थी और कमाने वाले की जेब में सिर्फ 2.25 रुपये ही बचते थे। उस 'सोशलिस्ट दौर' की तुलना में आज की 12 लाख रुपये की टैक्स फ्री लिमिट करदाताओं के लिए किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। आजादी के समय सिर्फ ?1500 थी लिमिट भारतीय आयकर का सफर बेहद दिलचस्प रहा है। आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था,। उस समय देश में केवल 1500 रुपये तक की आमदनी ही टैक्स फ्री थी,। 1947 के 1500 रुपये से लेकर आज 12 लाख रुपये तक का यह सफर देश की आर्थिक प्रगति और बदलती नीतियों का गवाह है। जब बच्चों और शादी पर तय होता था टैक्स आज की टैक्स व्यवस्था काफी सरल है, लेकिन इतिहास में सरकारों ने टैक्स के जरिए 'सोशल इंजीनियरिंग' के कई प्रयोग किएः कुंवारों पर ज्यादा बोझः 1955 में सरकार ने जनसंख्या बढ़ाने के मकसद से अनोखा नियम बनाया था। इसके तहत शादीशुदा लोगों के लिए 2000 रुपये तक की आमदनी टैक्स फ्री थी, जबकि अविवाहितों के लिए यह छूट सिर्फ 1000 रुपये थी। बच्चों की संख्या पर छूटः 1958 में भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश बना, जिसने बच्चों की संख्या के आधार पर टैक्स तय किया। अगर कोई शादीशुदा है और बच्चे नहीं हैं, तो 3000 रुपये तक छूट थी। एक बच्चे पर यह छूट 3300 रुपये और दो बच्चों पर 3600 रुपये हो जाती थी। 1973-74 के 97.75% टैक्स के दौर से निकलकर आज हम उस मुकाम पर हैं, जहां 12 लाख रुपये तक की आय कर-मुक्त है। विभिन्न सरकारों द्वारा समय-समय पर किए गए बदलावों ने आम आदमी पर से टैक्स का बोझ कम करने में बड़ी भूमिका निभाई है,। यह नया बदलाव निश्चित रूप से मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता को बढ़ाएगा।

टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा बदलाव; प्रमित झवेरी छोड़ेंगे सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, नोएल टाटा को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ट्रस्ट्स से जुड़ी बड़ी खबर। प्रमित झवेरी 11 फरवरी 2026 को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी पद से हट जाएंगे। उन्होंने इस बारे में चेयरमैन नोएल टाटा को पत्र लिखा है। देश के सबसे प्रतिष्ठित कॉरपोरेट घरानों में से एक, टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाले 'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट' में शीर्ष स्तर एक और बड़ा बदलाव होने की खबर है। दिग्गज बैंकर और ट्रस्टी प्रमित झवेरी ने अपने पद से हटने का फैसला किया है। झवेरी का मौजूदा कार्यकाल 11 फरवरी, 2026 को समाप्त हो रहा है। अब उन्होंने साफ कर दिया है कि अब वे इस पद पर फिर से नियुक्त नहीं होना चाहते। नोएल टाटा को लिखा पत्रः 'अब आगे नहीं बढ़ाना चाहता कार्यकाल' प्रमित झवेरी ने 31 जनवरी को टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा को एक पत्र लिखकर अपने फैसले की औपचारिक जानकारी दी। फिर से शामिल होने से इनकारः झवेरी ने अपने पत्र में साफ शब्दों में कहा है कि 11 फरवरी, 2026 को उनका कार्यकाल खत्म होने के बाद वे ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के इच्छुक नहीं हैं। पूर्व चर्चाः रिपोर्ट के अनुसार, झवेरी ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इस निर्णय पर पहले ही नोएल टाटा के साथ चर्चा हो चुकी थी और अब इसे केवल औपचारिक रूप से सूचित किया जा रहा है। यह पत्र सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के अन्य ट्रस्टियों और टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा को भी भेजा गया है। रतन टाटा लेकर आए थे बोर्ड में टाटा ने बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। कार्यकालः झवेरी 12 फरवरी, 2020 से ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे थे। उनकी नियुक्ति रतन टाटा के कार्यकाल के दौरान हुई थी। अनुभवः अपने पत्र में झवेरी ने ट्रस्ट के साथ बिताए समय को एक 'सम्मान' बताया और आने वाले वर्षों के लिए टाटा ट्रस्ट्स को अपनी शुभकामनाएं दीं। क्यों अहम है यह खबर? टाटा समूह के स्ट्रक्चर में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की भूमिका बेहद अहम है। टाटा संस में हिस्सेदारीः सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा संस में 51% से अधिक की हिस्सेदारी रखते हैं. टाटा संस, नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक बनाने वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। निर्णय क्षमताः ट्रस्टी के रूप में, व्यक्ति के पास समूह की दिशा और परोपकारी कार्यों के आवंटन पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। प्रमित झवेरी का जाना टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड में एक दौर का अंत है, जिसकी शुरूआत रतन टाटा के समय में हुई थी। अब सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में रिक्त हो रहे इस महत्वपूर्ण पद पर अगला नाम किसका होगा।

मनोरंजन

बदमाशों ने दुकानदार को मारी गोली, हमलावर की तलाश में जुटी पुलिस

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दो अज्ञात व्यक्तियों ने एक दुकानदार पर गोली चला दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निपुण अग्रवाल ने बताया, यह घटना शुक्रवार की रात करीब 10.15 बजे अंसल सुशांत गोल्फ सिटी के शॉपिंग स्क्वायर-2 में हुई, जिसकी सूचना नियंत्रण कक्ष के जरिए मिली। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि घायल की पहचान अवधेश कुमार पाठक (60) के रूप में हुई है, जो संत कबीर नगर जिले के निवासी हैं। वह फिलहाल लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में रहते हैं और उनकी दुकान शॉपिंग स्क्वायर-1 में है। पुलिस ने बताया कि पाठक अपनी दुकान का कुछ सामान अपनी निजी कार में रख रहे थे, तभी दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर गोली चला दी, जो उनकी दाहिनी आंख के ऊपर लगी। पुलिस के अनुसार उन्हें तुरंत मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं।

मलाइका अरोड़ा ने अलग अंदाज में दी बहन को जन्मदिन की बधाई

फैंस ने किए मजेदार कमेंट

अभिनेत्री अमृता अरोड़ा आज अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी बहन मलाइका अरोड़ा ने उन्हें सोशल मीडिया पर खास तरह से बधाई दी है। मलाइका अरोड़ा अक्सर अपनी फिटनेस और दूसरी वजहों के चलते सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने जिस तरह से अपनी बहन अमृता अरोड़ा को जन्मदिन की बधाई दी है, इससे वह चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने अपनी बहन के साथ एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट भी लिखी है। इस पर फैंस कमेंट कर रहे हैं। मलाइका ने अमृता को दी जन्मदिन की बधाई अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर अपनी बहन अमृता अरोड़ा को जन्मदिन की बधाई दी है। मलाइका ने अमृता के साथ फोटो शेयर की है और इसके साथ एक पोस्ट लिखी है। उन्होंने पोस्ट में लिखा 'मेरी बेबी बहन आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं।' इसके अलावा मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनके साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बर्थडे गर्ल के साथ एक लिफ्टी जरूरी है।' यूजर्स ने किए कमेंट मलाइका अरोड़ा की पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है 'सबसे अलग फोटो। बहुत अच्छी'। एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'रुकना मत।' एक और यूजर ने लिखा है 'इतना करीब आ गई हो तो किस कर ही लो।' अमृता अरोड़ा की शादी कब हुई? साल 2009 में, अमृता अरोड़ा ने बिजनेसमैन शकील लडक से शादी की। इस कपल के दो बेटे हैं। मलाइका और अमृता को अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे पर प्यार बरसाते हुए देखा जाता है। अमृता और मलाइका का काम 31 जनवरी 1981 को जन्मीं अमृता अरोड़ा ने साल 2002 में फरदीन खान के साथ फिल्म 'कितने दूर कितने पास' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने 'आवारा पागल दीवाना', 'एक और एक ग्यारह', 'गर्लफ्रेंड', 'स्पीड', 'कमबख्त इश्क' और 'हैलो' जैसी कई फिल्मों में काम किया।

एस.एस. राजामौली की वाराणसी की रिलीज डेट हुई अनाउंस

भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े विजनरी डायरेक्टर एस.एस. राजामौली की बहुप्रतीक्षित मेगा फिल्म वाराणसी की आधिकारिक रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। मेकर्स के मुताबिक यह भव्य सिनेमाई अनुभव 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगा। दमदार टैगलाइन स्मज पज इंदह३३ के साथ की गई इस घोषणा ने दर्शकों का उत्साह चरम

पर पहुंचा दिया है। सनातन परंपरा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत काशी (वाराणसी) की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म भावनाओं, संस्कृति और समकालीन कहानी कहने की शैली का एक शक्तिशाली संगम पेश करने वाली है। हालांकि मेकर्स ने कहानी से जुड़े अहम पहलुओं को फिलहाल पर्दे में रखा है, लेकिन इंडस्ट्री की चचाओं के मुताबिक वाराणसी में गहरी भावनाएं, भव्य विजुअल्स और इस प्राचीन नगरी की सामाजिक व सांस्कृतिक आत्मा को दशार्ने वाली एक सशक्त कथा देखने को मिलेगी। रिलीज डेट सामने आते ही ट्रेड सर्कल्स और दर्शकों के बीच जबरदस्त हलचल मच गई है। 7 अप्रैल 2027 को पहले से ही एक बड़े इवेंट के तौर पर देखा जा रहा है। भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वाराणसी ने अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। फिल्म की पहली झलक पेरिस के प्रतिष्ठित स्म ळतंदक त्मॐकृयूरोप के सबसे बड़े और ऐतिहासिक थिएटर में आयोजित एक ट्रेलर फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई, जहां दर्शकों का रिस्पॉन्स बेहद जबरदस्त रहा। जैसे ही फुटेज स्क्रीन पर आया, पूरा हॉल तालियों, जोशीली बीममते और एक्साइटमेंट से गूंज उठा माहौल पूरी तरह इलेक्ट्रिक हो गया। फिल्म से जुड़े किरदारों के फर्स्ट लुक पहले ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुके हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन का कुंभा के रूप में उग्र अवतार, प्रियंका चोपड़ा जोनस की मंदाकिनी के किरदार में दमदार मौजूदगी, और महेश बाबू का रुद्र के रूप में शक्तिशाली लुक इन सभी ने देशभर में दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। अब जब वाराणसी की रिलीज डेट पूरी तरह कन्फर्म हो चुकी है, तो दर्शकों की निगाहें इस महाकाव्यात्मक सिनेमाई अनुभव पर टिकी हैं, जो 2027 में बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सनी देओल ने टीम के साथ मनाया 'बॉर्डर 2' की बंपर सक्सेस का जश्न; 'बाहुबली' के साथ काटा केट

फिल्म 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में लगी है। बॉक्स ऑफिस पर यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सनी देओल ने हाल ही में अपनी टीम के साथ इसकी सक्सेस का जश्न मनाया। फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। 23 जनवरी को रिलीज हुई यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच चुकी है। सनी देओल हाल ही में अपनी टीम के साथ फिल्म की सफलता का जश्न मनाते दिखे। सोशल मीडिया पर उन्होंने

एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे केक काटते दिख रहे हैं। टीम के साथ खुशियां मनाते दिखे सनी देओल फिल्म 'बॉर्डर 2' साल 1997 में आई 'बॉर्डर' का सीक्वल है। इसमें सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारे हैं। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से छाई हुई है। फिल्म की सफलता को सनी देओल ने सेलिब्रेट किया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें सभी लोग 'हैप्पी बर्थडे टू यू सॉन्ग' की तर्ज पर गाते दिख रहे हैं, 'हैप्पी बॉर्डर टू यू, हैप्पी बॉर्डर टू यू सनी सर जी'। 'बाहुबली' के साथ काटा केक इसके बाद वे अपनी टीम के सदस्य बाहुबली से मिलवाते हैं और कहते हैं, 'बाहुबली यह केक लेकर आए हैं'। बाहुबली सनी देओल को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर फिल्म की सफलता की बधाई देते हैं। टीम के सभी लोगों के चेहरे पर फिल्म की सफलता की खुशी साफ देखी जा सकती है। निर्देशक अनुराग सिंह का जताया आभार इसके अलावा सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक अन्य वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह का आभार जताते दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा है, 'मुझे एक्सपोज करने के लिए धन्यवाद। आई लव यू, अनुराग। ढाई किलो के हाथ और 5 किलो के दिल वाले आदमी का अनदेखा पहलू। दहाड़ लेजेंडरी है। लेकिन हंसी भी वैसी ही है जो सेट पर रौनक ला देती है। आप स्क्रीन पर जो पावर लाते हैं, उससे लेकर सेट पर जो गर्माहट लाते हैं, हर दिन आपके साथ काम करना खुशी की बात रही है। 'बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन एक तरफ फिल्म के हीरो सनी दओले, वरुण, अहान और दिलजीत के काम की तारीफ हो रही हैं, तो फिल्म की महिला कलाकारों, मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह ने भी अपने अभिनय से महफिल लूट ली। बात करें फिल्म 'बॉर्डर 2' के कलेक्शन की तो कल शुक्रवार को आठवें दिन इसकी कमाई 10.75 करोड़ रुपये रही थी। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 241.5 करोड़ रुपये हो चुका है।

प्रीमियर नाइट में काइली ने बिखेरा बोल्डनेस का जलवा

स्लीवलेस ब्लाउज के साथ लो-राइज मैक्सी स्कर्ट में दिखीं बेहद कातिलाना

हॉलीवुड दिवा काइली जेनर हमेशा अपने लुक्स से लाइमलाइट चुराने में कामयाब रहती हैं। गुरुवार रात लॉस एंजेलिस में आयोजित द मोमेंट के प्रीमियर में स्पॉट हुईं, जहां फिर से वह सबका ध्यान अपनी और खींचती नजर आईं। इस खास मौके पर काइली अपने बॉयफ्रेंड और हॉलीवुड एक्टर टिमोथी चालमेट के बिना दिखाई दीं। इस इवेंट से अब काइली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो प्रीमियर नाइट के लिए काइली ने बेहद स्टाइलिश और बोल्ड लुक चुना। उन्होंने रफल्ड डिजाइन वाली स्लीवलेस ब्लाउज पहनी, जिसमें उनका टोन्ड मिडरिफ साफ नजर आया। इस टॉप को उन्होंने सिल्की फैब्रिक से बनी लो-राइज ब्लैक मैक्सी स्कर्ट के साथ स्टाइल किया, जो उनके ग्लैमरस अंदाज को और निखार रही थी। 28 वर्षीय मेकअप मोगुल काइली जेनर इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरूआत कर रही हैं। द मोमेंट एक टूर-मॉक्यूमेंट्री है, जो ब्रिटिश सिंगर चार्ली एक्ससीएक्स के करियर के अहम दौर, यानी उनके चर्चित ठताज्एरा, को दशार्ती है। इस फिल्म को लेकर फैंस और इंडस्ट्री दोनों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। लॉस एंजेलिस के फाइन आर्ट्स थिएटर के बाहर रेड कार्पेट पर काइली और चार्ली एक्ससीएक्स की मौजूदगी ने सभी का ध्यान खींचा। फैशन और फिल्म दोनों ही मोर्चों पर काइली जेनर की यह रात बेहद खास रही, क्योंकि यह न सिर्फ उनके नए प्रोजेक्ट की शुरूआत थी, बल्कि उनके करियर के एक नए अध्याय की भी झलक थी। बता दें, बीते कुछ हफ्तों में काइली, टिमोथी चालमेट के साथ अवॉर्ड सीजन का हिस्सा बनी रही हैं। टिमोथी की फिल्म मार्टी सुप्रीम में दमदार परफॉर्मेंस ने उन्हें ऑस्कर नॉमिनेशन दिलाया है। हालांकि, गुरुवार को दोनों अलग-अलग शहरों में व्यस्त नजर आए। जहां काइली लॉस एंजेलिस में अपनी फिल्म के प्रीमियर में शामिल थीं, वहीं टिमोथी चालमेट न्यूयॉर्क सिटी में एक प्रमोशनल क्यू एंड ए सेशन के बाद बाहर निकलते देखे गए।

संजय मिश्रा, नीना गुप्ता ने वध 2 से पहले दिखाया अपना नया स्वैग

किया जबरदस्त रेट्रो ग्लैम फोटोशूट

इस हफ्ते वध 2 का ट्रेलर रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर उत्साह कई गुना बढ़ गया है, जो 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब संजय मिश्रा और नीना गुप्ता ने एक शानदार, रेट्रो-ग्लैम फोटोशूट के साथ इस उत्साह को और भी ऊँचा कर दिया है, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। अपनी स्क्रीन पर की गई सादगी से हटकर, यह पावरहाउस जोड़ी एक बिल्कुल नए अवतार में सामने आई है, जहां उन्होंने बिंदास स्वैग और स्टाइल के साथ बेहतरीन लुक दिए। ये शानदार विजुअल्स फिल्म के मुख्य थीम को भी बयां करते हैं जहां रौनक

के पीछे छिपा है अंधेरा और शांत बाहरी रूप के नीचे पिघल रहे हैं राज। इन तस्वीरों को एक्टर्स ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, दिखा रहे हैं दमदार लुक्स, छुपा रहे हैं खतरनाक रहस्य। वध 2 का ट्रेलर पहले ही इंडस्ट्री में जबरदस्त सराहना हासिल कर चुका है, जहां सेलेब्रिटीज और फिल्ममेकर इसकी ग्रिपिंग टोन, दमदार परफॉर्मेंस और माहौल बनाने वाली स्टोरीटेलिंग की तारीफ कर रहे हैं। इस फिल्म की जबरदस्त वर्ड-ऑफ-माउथ ने इसे इस सीजन की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक के रूप में और मजबूत कर दिया है। वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक ऐसे दुनिया में लौट रहे हैं, जहां शांत तनाव और नैतिक जटिलताएं बारीकी से बुनी गई हैं, और इस बार दांव और भी बड़े हैं। ट्रेलर ने लोगों का दिल जीत लिया और ग्लैमरस लुक्स से इंटरनेट पर धमाल मचाया, वध 2 स्टाइल और कंटेंट दोनों में पूरी तरह कमाल कर रही है। लव फिल्म्स की प्रोडक्शन वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है, और इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अशनूर कौर का आलीशान घर, कांच की छत, बड़ा झूमर और शानदार बालकनी

बॉलीवुड की चाइल्ड आर्टिस्ट और अब सफल एक्ट्रेस अशनूर कौर ने अपने करियर में मेहनत और काबिलियत के दम पर 2 साल पहले एक शानदार घर खरीदा। हाल ही में फराह खान के यूट्यूब व्लॉग में अशनूर के 3.5 बीएचके घर की झलक दिखाई गई, जिसे देखकर हर कोई उनकी स्टाइलिश होम डेकोर से प्रेरित हो सकता है। अशनूर के घर में स्मार्ट लाइटिंग और मॉड्यूलर किचन है, जो ग्लॉसी फिनिश और आधुनिक उपकरणों के साथ बहुत आकर्षक लगता है। घर में एक वॉक-इन वैनिटी है, जिसमें अशनूर का डिजाइनर बैग, जूते और परफ्यूम कलेक्शन प्रदर्शित है। बालकनी बड़ी और हवादार है, जिससे मुंबई का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। अशनूर ने बताया कि उन्हें यहां से सूर्यास्त का दृश्य बहुत पसंद है। एंट्री पर छोटा सा गलियारा है, जिसमें मिरर और आकर्षक दीवार है, जो सेल्फी के लिए परफेक्ट है। लिविंग रूम में मखमली कुर्सियां, संगमरमर की मेज और क्रिएटिव वॉल डेकोर है। छत पर मिरर पैटर्न और सुनहरा झूमर लिविंग रूम को और भी शानदार बनाते हैं। दीवार पर स्वर्ण मंदिर की तस्वीर और अलग-अलग एब्स्ट्रैक्ट पेंटिंग घर के हिस्सों को खूबसूरत बनाती हैं। मॉड्यूलर किचन ग्लॉसी कैबिनेट्स और आधुनिक उपकरणों से सजा हुआ है। डाइनिंग टेबल मार्बल टॉप की है और मखमली कुर्सियां इसे शाही लुक देती हैं। दीवार पर गोलाकार दर्पण और वार्म लाइटिंग इस एरिया को और खूबसूरत बनाते हैं। अशनूर का बेडरूम सादगी और शालीनता से सजा है। हल्की रोशनी और गर्म लकड़ी का फर्श आरामदायक माहौल देता है। बालकनी के पास छोटा झूला है और कमरे में किताबों की अलमारी भी है। वॉक-इन वैनिटी उनके फैशन कलेक्शन को शो करती है और डिजाइनर आइटम प्रदर्शित करती है। अशनूर के घर का दौरा फराह खान के व्लॉग में दिखाया गया, जिसमें घर के हर कोने की खूबसूरती, शानदार डेकोर और आरामदायक माहौल देखने को मिलता है।

छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाएं रोकने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली ए. पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स पी. जी. कॉलेज द्वारा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर संयोग नगर बस्ती, केकेबी कॉलेज और केकेसी कॉलेज से गुजरी। इसका समापन वापस कॉलेज परिसर में हुआ। इस दौरान छात्राओं ने सड़क सुरक्षाजीवन रक्षा, हेलमेट पहनें, जीवन बचाएं और शिनयमों का पालन, सुरक्षित भविष्यश जैसे नारों के माध्यम से जागरूकता फैलाई। छात्राओं ने विशेष रूप से ट्रिपलिंग कर बाइक चलाने वालों को रोका और उनसे बातचीत की। उन्होंने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के कारणों और उनके गंभीर परिणामों के बारे में जानकारी दी, जिससे लोगों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा सके। यह रैली कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रो. श्रीवास्तव ने युवाओं से यातायात नियमों को अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली के दौरान छात्राओं ने आम नागरिकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा सुरक्षित वाहन संचालन के महत्व के बारे में बताया।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान का बड़ा एलान

अमेरिकी युद्धपोत के पास करेगा नौसैनिक अभ्यास

दुबई / वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान की तरफ से अपना सबसे बड़ा बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें अमेरिकी जहाजों से टक्कर की दिशा में ईरानी स्पीडबोटों का आना भी शामिल है। बातचीत के लिए तैयार है ईरान- अराघची वहीं इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने ट्रंप की मुख्य मांगों को खारिज कर दिया। अराघची ने कहा कि रक्षा रणनीतियां और मिसाइल प्रणालियां कभी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी। ईरान का दावा- पहले से ज्यादा मजबूत हुई सैन्य क्षमताएं ईरान की तरफ से ये भी दावा किया गया है कि हाल ही में हुए 12-दिवसीय युद्ध से उसकी सैन्य क्षमताएं पहले से ज्यादा मजबूत हुई हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, सेना प्रमुख अमीर हातमी ने एक सैन्य समारोह में कहा कि इस संघर्ष से ईरानी सेना को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का मौका मिला, साथ ही विरोधी पक्ष की रणनीति को भी बेहतर ढंग से परखा गया। हातमी के अनुसार, इस युद्ध के बाद ईरान की मिसाइल प्रणाली, हवाई रक्षा और समग्र सैन्य क्षमता पहले से बेहतर और मजबूत स्थिति में है। उन्होंने इसे ईरान के लिए अनूठा अनुभव बताया, जिससे भविष्य में किसी भी हमले से निपटने की तैयारी और पुख्ता हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों है इतना अहम? ईरान जल्द ही जिन नौसैनिक अभ्यासों की तैयारी कर रहा है, उनका केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य माना जा रहा है। यह संकरा जलमार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है। इस जलडमरूमध्य से होकर बड़ी मात्रा में तेल और गैस दुनिया भर में जाती है, ईरान और ओमान के क्षेत्रीय जल होने के बावजूद, इसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता है, अमेरिका के ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, यहां से गुजरने वाले अधिकतर तेल-गैस के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। इसका बड़ा हिस्सा एशियाई देशों को सप्लाई होता है पिछले साल जून में इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए गए 12-दिवसीय हमले के दौरान इस मार्ग को लेकर तनाव बढ़ा था, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर भी असर पड़ा।

ईरान पर दोहरा वार करने की तैयारी में अमेरिका, इस्त्राइल में पहुंचाएगा उन्नत हथियारों की खेप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ईरान से तनाव के बीच उस पर दवाब बनाने के लिए तमाम हथकंडे अपना रहा है। इस कड़ी में अमेरिका इस्त्राइल में आधुनिक हथियारों से लैस कई

हेलीकॉप्टर और हल्के टैक्टिकल वाहन भेज रहा है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ईरान के खिलाफ अमेरिका की सैन्य कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है। अमेरिका ईरान के खिलाफ चौतरफा दवाब बनाने की कोशिश में जुट गया है। इस कड़ी में अमेरिका इस्त्राइल में उन्नत हथियारों की खेप पहुंचाएगा। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इस्त्राइल को 6.67 अरब डॉलर (लगभग 55 हजार करोड़ रुपये) के नए हथियार बेचने की मंजूरी दे दी है। इस पैकेज में सबसे बड़ा हिस्सा 30 अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर का है। ये हेलीकॉप्टर आधुनिक रॉकेट लॉन्चर और एडवांस टार्गेटिंग सिस्टम से लैस होंगे। सिर्फ हेलीकॉप्टर और उनसे जुड़ा हथियार सिस्टम ही करीब 3.8 अरब डॉलर का है। इस्त्राइल को मिलेंगे 3250 हल्के टैक्टिकल वाहन इसके अलावा इस्त्राइल को 3,250 हल्के टैक्टिकल वाहन भी दिए जाएंगे। इन वाहनों का इस्तेमाल सैनिकों और जरूरी सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में होगा, ताकि सेना की सप्लाई लाइन मजबूत बनी रहे। इन वाहनों की कीमत लगभग 1.98 अरब डॉलर है। इस्त्राइल की सुरक्षा क्षमता होगी और मजबूत अमेरिका के विदेश विभाग ने यह जानकारी शुक्रवार देर रात दी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और ईरान के खिलाफ अमेरिका की सैन्य कार्रवाई की आशंका भी जताई जा रही है। इन हथियारों और वाहनों का इस्तेमाल इस्त्राइल डिफेंस फोर्सेस द्वारा किया जाएगा। अमेरिका का कहना है कि इससे इस्त्राइल की सुरक्षा क्षमता और मजबूत होगी। वेनेजुएला से भी बड़ी कार्रवाई की धमकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर वेनेजुएला से भी बड़ी कार्रवाई करने की धमकी दी है।

जयशंकर ने अरब देश के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

सहयोग- शांति समेत इन मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अरब लीग के कई देशों के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय बैठकें कीं। इनमें व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने और मध्य पूर्व की हाल की घटनाओं का मूल्यांकन किया गया। इसके बाद आज शनिवार को द्वितीय भारत-अरब विदेश मंत्री बैठक आयोजित होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कई अरब लीग सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में भारत-अरब देशों के रिश्तों को मजबूत करने, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और मध्य पूर्व में हाल की घटनाओं का व्यापक मूल्यांकन करने पर चर्चा हुई। यह बैठक भारत की कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता में सक्रिय भूमिका को दशार्ती है। जयशंकर ने कोमोरोस, लीबिया, सोमालिया और फिलिस्तीन के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत से भी भेंट की। बता दें कि नई दिल्ली में आज यानी शनिवार को भारत-अरब लीग द्वितीय विदेश मंत्री बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें 20 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इन मुलाकातों पर क्या बोले जयशंकर जयशंकर ने घीत से मिलने के बाद कहा कि हमने सहयोग बढ़ाने और इसे विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत करने पर लंबी चर्चा की। साथ ही क्षेत्र में हाल की घटनाओं पर विचार साझा

किए। इसके बाद सोमालिया के विदेश मंत्री अब्दिसलाम अली से बैठक को जयशंकर ने उत्पादक बताया। उन्होंने कहा कि हमने व्यापार, क्षमता निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वीजा और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। लीबिया से व्यापार और ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा लीबिया के विदेश मंत्री एल्ताहेर एस. एम. एल्बौर से उन्होंने व्यापार और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि हमने व्यापार, व्यवसाय, इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर उत्पादक चर्चा की। साथ ही लीबिया में स्थिति की जानकारी सराहनीय थी। भारत हमेशा संवाद और कूटनीति के जरिए स्थायी शांति चाहता है। सूडान में हिंसा समाप्त कर संवाद की आवश्यकता सूडान के विदेश मंत्री मोहियेल्दिन सलीम अहमद इब्राहिम से मुलाकात में जयशंकर ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण सूडान में हिंसा बंद करने और संवाद शुरू करने का है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में सहयोग जारी रहेगा और इसे और बढ़ाया जाएगा। फलस्तीन के साथ विकास सहयोग पर चर्चा इसके साथ ही फलस्तीन के विदेश मंत्री वरें अघाबेकियन शाहिन से चर्चा में जयशंकर ने गाजा शांति योजना और क्षेत्रीय घटनाओं पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि हमने विकास सहयोग की समीक्षा की और इसे आगे बढ़ाने के लिए नई पहल करने पर सहमति बनाई। गाजा में शांति के लिए अमेरिका-नेतृत्व वाले बोर्ड का समर्थन जरूरी- अबूल घीत अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कहा कि गाजा में शांति स्थापित करने के लिए अरब देशों का अमेरिका-नेतृत्व वाले बोर्ड ऑफ पीस का समर्थन सही कदम है। उन्होंने कहा कि यह बोर्ड एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है क्योंकि पहले कई कूटनीतिक प्रयास असफल रहे हैं।

'कर्ज के लिए भीख मांगने में शर्म से झुका सिर', पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का कबूलनामा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर कबूला है कि उन्हें बार-बार कर्ज मांगने में शर्मिंदगी महसूस हुई है। उन्होंने ये भी बताया वे और सेना प्रमुख असीम मुनीर ने चुपचाप कई देशों का दौरा किया और अरबों डॉलर के कर्ज मांगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में कारोबारियों और निर्यातकों को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक हालत पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा, तब उसे अपने मित्र देशों

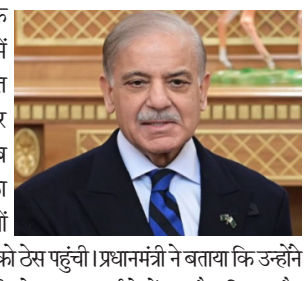

से कर्ज मांगना पड़ा, जिससे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने चुपचाप कई देशों का दौरा किया और अरबों डॉलर के कर्ज की अपील की, ताकि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से राहत पैकेज मिल सके और विदेशी वित्तीय कमी को पूरा किया जा सके। कर्ज की कीमत चुकानी पड़ती है- शहबाज शरीफ शहबाज शरीफ ने कहा कि कर्ज लेने की प्रक्रिया आसान नहीं होती। जब कोई देश कर्ज मांगता है तो उसे कई शर्तें और दबाव झेलने पड़ते हैं, जिनका कई बार कोई ठोस औचित्य भी नहीं होता। उन्होंने साफ शब्दों में माना कि ऐसे हालात में देश को दूसरों की शर्तें माननी पड़ती हैं, चाहे वे उचित हों या नहीं। 'कठिन समय में कई मित्र देशों ने मदद की' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कठिन समय में कई मित्र देशों ने मदद की, जिनमें चीन सबसे आगे रहा। उन्होंने इन देशों का आभार जताया, लेकिन साथ ही स्वीकार किया कि कर्ज लेने की एक कीमत चुकानी पड़ती है- और वह कीमत है राष्ट्रीय सम्मान से समझौता।

'एक-दूसरे से नफरत करते हैं जेलेंस्की-पुतिन', ट्रंप का दावा- रूस-यूक्रेन समझौता बहुत करीब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि शांति समझौता अब बहुत करीब है, लेकिन जेलेंस्की और पुतिन की आपसी नफरत इस राह की बड़ी मुश्किल बनी हुई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बताया कि उन्होंने खुद पुतिन से बात कर कीव पर हमले रोकने की अपील की

थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की दिशा में बातचीत अब काफी नजदीक पहुंच चुकी है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गहरी दुश्मनी शांति समझौते को मुश्किल बना रही है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'जेलेंस्की और पुतिन एक-दूसरे से नफरत करते हैं, और इससे समझौता करना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि हम समाधान के बहुत करीब हैं।' ट्रंप ने पुतिन से कीव पर हमले रोकने का किया अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने हाल ही में पुतिन से फोन पर बात की और उनसे एक हफ्ते तक कीव और दूसरे शहरों पर हमले रोकने का अनुरोध किया था। उनके मुताबिक, 'मैंने पुतिन से व्यक्तिगत तौर पर कहा कि एक हफ्ते तक कीव और अन्य शहरों पर हमला न करें, और उन्होंने इस बात पर सहमति जताई।' ट्रंप ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि इस समय यूक्रेन और रूस दोनों ही जगहों पर असाधारण ठंड पड़ रही है। उनके शब्दों में, 'ये सामान्य ठंड नहीं है, रिकॉर्ड तोड़ ठंड है। इतनी ठंड उन्होंने पहले कभी नहीं देखी।'

ट्रंप ने वेनेजुएला मिशन से भी बड़ा नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर भेजा, तेहरान का बयान- बातचीत के लिए तैयार

वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान की तरफ अमेरिका का बड़ा नौसैनिक बेड़ा जा रहा है, जो वेनेजुएला गए बेड़े से भी बड़ा है। इस पर ईरान की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है, जिसमें ईरान ने कहा है कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बयान में चेतावनी दी कि अमेरिका का एक विशाल नौसैनिक बेड़ा ईरान की तरफ बढ़ रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि यह नौसैनिक बेड़ा वेनेजुएला भेजे गए बेड़े से भी बड़ा है। ट्रंप ने ये भी दावा किया कि ईरान समझौता करना चाहता है। हालांकि

इस बारे में ट्रंप ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। ईरान ने भी ऐसे संकेत दिए हैं कि वे भी बातचीत करना चाहते हैं, लेकिन अभी तक कुछ तय नहीं है। ट्रंप ने ईरान को दी धमकी ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'ईरान की तरफ बढ़ रहा नौसैनिक बेड़ा, वेनेजुएला भेजे गए बेड़े से भी बड़ा है और यह तेजी से, पूरी शक्ति से और उत्साह और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ रहा है।' ईरान में हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इन विरोध प्रदर्शनों में सैंकड़ों लोग मारे गए हैं। अमेरिका ने ईरान पर हमले की धमकी दी है और अपना नौसैनिक बेड़ा ईरान की तरफ रवाना कर दिया है। बुधवार को भी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर भयावह हमले करने की चेतावनी दी थी, जिस पर ईरान ने भी पलटवार की धमकी दी। ईरान ने कहा- बातचीत के लिए तैयार, लेकिन उसी तरह युद्ध के लिए भी तैयार ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा, अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वाशिंगटन के साथ बातचीत के लिए अभी कोई ठोस योजना अभी नहीं है। अराघची ने इस्तांबुल में तुर्किए के विदेश मंत्री हाकान फिदान के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरान की अमेरिकियों से मिलने की कोई योजना नहीं है। अराघची ने कहा, 'हम निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के लिए तैयार हैं। ऐसी बातचीत के लिए, सबसे पहले बातचीत के तरीके और बातचीत की जगह, और बातचीत के विषय के बारे में इंतजाम किए जाने चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, जिस तरह बातचीत के लिए तैयार है, उसी तरह वह युद्ध के लिए भी तैयार है।' अमेरिकी सेना ने वरर अब्राहम लिंकन और कई गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर को पश्चिम एशिया भेज दिया है, लेकिन यह अभी साफ नहीं है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सेना का इस्तेमाल करेंगे या नहीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार को कहा कि वरर अब्राहम लिंकन अरब सागर में पहुंच गया है। तुर्किए ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विरोध किया है, और चेतावनी दी है कि ऐसी कार्रवाई से इलाके में अस्थिरता पैदा होगी। तुर्किए के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने शुक्रवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ फोन पर बात की और इस बातचीत में ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की पेशकश की।

'यूक्रेन में रूस को कोई नहीं हरा सकता', अरब लीग प्रमुख का बड़ा बयान; ईरान-अमेरिका पर क्या बोले?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरब लीग प्रमुख अबुल घेइत ने रूस पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में साफ कहा कि यूक्रेन में रूस को कोई भी नहीं हरा सकता। इसी के साथ उन्होंने ईरान में चल रहे संघर्ष और अमेरिका पर भी बयान दिया है। यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग को खत्म करने के प्रयास जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों के देशों के बीच सुलह कराने की कोशिश कर रहे हैं। यहां तक ट्रंप ने अपने हालिया दावे में साफ कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की दिशा में बातचीत अब काफी नजदीक पहुंच चुकी है। अब इस कड़ी में अब अरब लीग महासचिव अहमद अबुल घेइत ने वैश्विक शक्ति संतुलन पर कहा कि प्रमुख शक्तियों ने शीत युद्ध के दौरान भी परमाणु संघर्ष से परहेज किया था। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन में रूस को हराया नहीं जा सकता। नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय स्थिरता पर अपना व्यापक दृष्टिकोण रखते हुए अबुल घेइत ने शुक्रवार को इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि शीत युद्ध के बीच रूस, अमेरिका और चीन शांति बनाए हुए थे, अन्यथा परमाणु हथियार सक्रिय हो जाते। इस ऐतिहासिक संतुलन को मौजूदा वास्तविकताओं से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि मॉस्को अपनी स्थिति को मजबूत करना जारी रखे हुए है। इसी के साथ उन्होंने दावा किया कि रूस अपनी क्षमता का निर्माण कर रहा है और यूक्रेन में कोई भी रूस को हरा नहीं सकता। अपने इस बिंदु को रेखांकित करने के लिए पूर्व के संघर्षों से तुलना करते हुए अरब लीग प्रमुख ने कहा कि आप अफगानिस्तान में रूस को हरा सकते हैं, क्योंकि यह मॉस्को से 11,000 मील दूर है। वर्तमान भू-राजनीतिक बदलावों पर चर्चा करते हुए अबुल घेइत ने बदलती रणनीतियों के बारे में बात करते हुए कहा कि अमेरिका रूस को चीन से दूर करने की कोशिश कर रहा है। यूरोप में पहले के घटनाक्रमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 'पुतिन के उदय और कुछ फ्रांसीसी राजनेताओं के प्रस्ताव के साथ रूस 1993-94 में नाटो में शामिल होना चाहता था।

एपस्टीन फाइल्स में सामने आया जोहरान ममदानी की मां मीरा नायर का नाम

हुआ ये बड़ा खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज में 2009 की एक आफ्टरपार्टी का जिक्र है। इसमें फिल्म निर्देशक मीरा नायर का नाम भी सामने आया है। दस्तावेजों में एलन मस्क के साथ एपस्टीन की ईमेल बातचीत भी शामिल बताई गई है। अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों ने एक बार फिर तहलका मचा दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने हाल ही में एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख से ज्यादा पेजों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं। इन नए दस्तावेजों में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की मां और फिल्म डायरेक्टर मीरा नायर का नाम भी सामने आया है। गिसलेन मैक्सवेल के घर हुई थी पार्टी दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मीरा नायर ने 2009 में अपनी फिल्म अमेलिया के लिए आयोजित एक आफ्टर-पार्टी में शिरकत की थी।

चौंकाने वाली बात यह है कि यह पार्टी यौन तस्करी की दोषी गिसलेन मैक्सवेल के घर पर हुई थी। ईमेल से हुआ पार्टी का खुलासा यह जानकारी 21 अक्टूबर 2009 के एक ईमेल से सामने आई है। यह ईमेल पब्लिसिस्ट पैगी सीगल ने जेफरी एपस्टीन को भेजा था। ईमेल पार्टी के ठीक बाद सुबह के समय भेजा गया था। इस ईमेल में पार्टी में शामिल हुए मेहमानों के बारे में बताया गया था, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस भी शामिल थे। ईमेल में लिखा था, ₹फिल्म की पार्टी के बाद अभी-अभी घिसलेन के घर से निकली हूं। बिल क्लिंटन और जेफ बेजोस भी वहां थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।